माघ कृष्ण - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 183 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 29-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कोहली ने दिल्ली की कप्तानी से किया इनकार

6 लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक स्वीकृति नहीं

7 मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ लोग कर सकते हैं संगम में स्नान

फर्स्ट टेक

वक्फ बोर्डों में शामिल हो सकते हैं गैर-मुस्लिम : संसदीय समिति

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति वक्फ बोर्डों में गैर-मुसलमानों को शामिल करने के सरकार के कदम का समर्थन कर सकती है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संयुक्त संसदीय समिति बुधवार को अपनी रिपोर्ट स्वीकार करने वाली है। समिति शिया मुसलमानों के दो छोटे संप्रदायों- दाऊदी बोहरा और आगा खानी की दलीलों से भी सहमत है कि उनकी अपनी विशिष्ट पहचान है और उनकी स्वीकार्यता भी इसी रूप में होनी चाहिए। उन्होंने खुद को प्रस्तावित कानून के दायरे से बाहर रखने की मांग की थी।

सर्बिया में प्रदर्शन तेज होने के बीच प्रधानमंत्री का इस्तीफा

बेलग्रेड (सर्बिया)/एपी। सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने कई सप्ताह से जारी भ्रष्टाचार विरोधी व्यापक विरोध प्रदर्शन के चलते मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। उत्तरी शहर नोवी सैड में नवंबर में मुख्य रेलवे स्टेशन पर एक छज्जा ढहने के बाद देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी। छज्जा ढहने की घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। प्रदर्शनों को सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक के निरंकुश शासन के प्रति व्यापक असंतोष के रूप में देखा जा रहा। नोवी सैड में मुख्य रेलवे स्टेशन का हाल के वर्षों में दो बार नवीनीकरण और उद्घाटन किया गया। चीनी सरकारी कंपनियों के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर समझौते के तहत इसका काम हुआ था।

निर्वाचन आयोग ने केजरीवाल से यमुना के पानी में जहर मिलाने के दावों के समर्थन में प्रमाण देने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक से कहा कि वह पड़ोसी राज्य हरियाणा द्वारा यमुना नदी के पानी में जहर मिलाए जाने के अपने दावों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें। इसने उन्हें कानूनी प्रावधानों की याद दिलाई, जिसके तहत राष्ट्रीय एकता और सार्वजनिक सद्भाव के खिलाफ ''शरारतपूर्ण'' बयानों के लिए तीन साल तक के कारावास की सजा हो सकती है। केजरीवाल को लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग ने यमुना नदी के पानी में ''जहर'' मिलाने के लिए इस्तेमाल किए गए रसायनों की प्रकृति और मात्रा की जानकारी बुधवार रात 8 बजे तक मांगी, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान जा सकती थी, जैसा कि आप प्रमुख ने दावा किया है।

29-01-2025 सूर्यास्त 6:08 बजे | 30-01-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
75,901.41	22,957.25
(+535.23)	(+128.10)

सोना	चांदी
8,245 रु.	102,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदले तेवर

वे बने शांति के दूत आज,
जो कभी क्रांति के नायक थे।
वे लगे भटकने खुद विधि से,
जो रह गए कभी विधायक थे।
त्यागी उनने रथ वल्गाएं,
जो खुद गीता के गायक थे।
वे भी अब टिकट जुगाड़ हैं,
जो बिल्कुल ही नालायक थे।।

'बड़े संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है हमारा देश'

■ प्रधानमंत्री मोदी ने किया 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन

■ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सभी खिलाड़ियों से आत्मसात करने का प्रधानमंत्री मोदी ने किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के संकल्प को दोहराते हुए मंगलवार को कहा कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये पूरा जोर लगा रहा है और देश में ओलंपिक होंगे तो वह न सिर्फ भारत में खेलों को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे बल्कि इनसे अनेक क्षेत्रों को गति मिलेगी।

यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,'' जैसे हमारे खिलाड़ी हमेशा बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं, वैसे ही हमारा देश भी बड़े संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा,''आप सभी जानते हैं कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये पूरा जोर लगा रहा है। जब भारत में ओलंपिक होंगे तो वह भारत के खेलों को एक नये आसमान पर ले जायेंगे।''

प्रधानमंत्री ने कहा,'' ओलंपिक सिर्फ एक खेल का आयोजन नहीं होता। दुनिया के जिन देशों में भी ओलंपिक होता है, वहां अनेक क्षेत्रों में विकास को गति मिलती है। खेलों का बुनियादी ढांचा खड़ा होने से रोजगार का सृजन होता है। नये बुनियादी ढांचे के तैयार होने से निर्माण, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र का विकास होता है।''

मोदी ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी का भारत का इरादा मुंबई में 2023 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सत्र के दौरान व्यक्त किया था। भारतीय ओलंपिक संघ ने आईओसी को ओलंपिक की मेजबानी के इरादे का आशय पत्र सौंप दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आत्मसात करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा,'' एक भारत, श्रेष्ठ भारत की बड़ी सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। यहां नये रिकॉर्ड बनेंगे, पुराने रिकॉर्ड टूटेंगे लेकिन मेरा आपसे आग्रह है कि जब आप यहां से जायें तो आपके पदक में भारत की एकता और श्रेष्ठता की चमक भी नजर आये।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों को आज भारत के विकास और युवाओं के आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है और पिछले कुछ समय में भारतीय खिलाड़ियों का असाधारण प्रदर्शन इसकी बानगी देता है। उन्होंने कहा,'' हम खेलों को सर्वांगीण विकास का प्रमुख माध्यम मानते हैं। जब कोई देश खेल में आगे बढ़ता है तो उसकी साख और प्रोफाइल बढ़ती है और इसलिये आज खेलों को भारत के विकास से और युवाओं के आत्मविश्वास से जोड़ा जा रहा है।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज भारत दुनिया की तीसरी बड़ी ताकत बनने की ओर अग्रसर है और हमारा प्रयास है कि इसमें खेल इकॉनामी का बड़ा हिस्सा हो। किसी भी खेल में खिलाड़ी के पीछे पूरा इको सिस्टम होता है और हम इसे देश के कोने कोने में फैलाना चाहते हैं।''

कच्चे माल का निर्यात स्वीकार्य नहीं, मूल्यवर्धन देश में ही हो : प्रधानमंत्री मोदी

'उत्कर्ष ओडिशा, मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव' का किया उद्घाटन

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह कच्चे माल का निर्यात और तैयार उत्पादों का देश में आयात स्वीकार नहीं कर सकते। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मूल्यवर्धन देश में ही होना चाहिए।

भुवनेश्वर में 'उत्कर्ष ओडिशा, मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि वह पूर्वी भारत को देश के विकास का इंजन मानते हैं और राज्य इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, केवल कच्चे माल के निर्यात से देश का विकास संभव नहीं है। इसलिए हम पूरे परिवेश को बदल रहे हैं और नए दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, खनिजों को यहां निकाला जाता है और उन्हें किसी अन्य देश में निर्यात किया जाता है, जहां उनका मूल्यवर्धन किया जाता है और नए उत्पाद बनाए जाते हैं। इन तैयार उत्पादों को फिर भारत वापस भेज दिया जाता है। मोदी को यह स्वीकार्य नहीं है।

बदलती दुनिया में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को पहचानने का आग्रह करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत छितराई और आयात आधारित आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर नहीं रह सकता। उन्होंने कहा, इसके बजाय, वैश्विक उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए भारत के भीतर एक मजबूत आपूर्ति तथा मूल्य श्रृंखला का निर्माण किया जाना चाहिए। यह जिम्मेदारी सरकार और उद्योग दोनों की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि अब दूर नहीं है।

श्रीलंकाई नौसेना की गोलीबारी में पांच भारतीय मछुआरे घायल

चेन्नई/नई दिल्ली। डेल्फ़्ट द्वीप के निकट मंगलवार सुबह श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई गोलीबारी में पांच भारतीय मछुआरे घायल हो गए, जिस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। नई दिल्ली में द्वीपीय राष्ट्र के कार्यवाहक उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। अपनी प्रतिक्रिया में भारत ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने कहा, आज सुबह डेल्फ़्ट द्वीप के निकट 13 भारतीय मछुआरों को पकड़ने के दौरान श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गोलीबारी की घटना की सूचना मिली। उसने कहा, मछली पकड़ने वाली नाव पर सवार 13 मछुआरों में से दो को गंभीर चोटें आई हैं और उनका फिलहाल जाफना टीचिंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसमें कहा गया है कि तीन अन्य मछुआरों को मामूली चोटें आईं हैं और उनका उपचार किया गया है।

■ श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को भारत ने विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

जाफना स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने घायल मछुआरों से अस्पताल में मुलाकात की और उनका हालचाल जाना तथा मछुआरों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा, नयी दिल्ली स्थित श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को आज सुबह विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी यह मामला श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया है।

भारतीय वक्तव्य में कहा गया है, भारत सरकार ने हमेशा मछुआरों से संबंधित मुद्दों को उनकी आजीविका की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सहृदयता और मानवीय तरीके से निपटाने की आवश्यकता पर बल दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। इस संबंध में दोनों सरकारों के बीच मौजूदा सहमति का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

मध्य पूर्व क्षेत्र को दुनिया के लिए महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में देखता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अबू धाबी/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले दशक में मजबूत व्यापार, संपर्क, (भारत और मध्य पूर्व की) जनता के बीच आपसी संबंधों से प्रेरित भारत-मध्य पूर्व के संबंधों के महत्वपूर्ण विस्तार को रेखांकित करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत इस क्षेत्र को दुनिया के लिये एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में देखता है।

'रायसीना मिडिल ईस्ट' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि मध्य पूर्व क्षेत्र, जिसे भारत पश्चिम एशिया कहता है, भारत के रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है। खाड़ी क्षेत्र में भारत का व्यापार लगभग 160 से 180 अरब अमेरिकी डॉलर है।

जयशंकर ने कहा, ''खाड़ी में हमारी उपस्थिति व्यापक और महत्वपूर्ण है। 90 लाख से अधिक भारतीय यहां रहते हैं और काम करते हैं। खाड़ी एमईएनए (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका) क्षेत्र और भूमध्य सागर के लिए प्रवेश द्वार के रूप में भी काम करती है।'' उन्होंने कहा कि यह बड़ा क्षेत्र हिंद महासागर और अटलांटिक महासागर के बीच जुड़ाव का काम करता है।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में जयशंकर के हवाले से कहा गया, ''भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ हमारा वार्षिक व्यापार 80 अरब अमेरिकी डॉलर का है, और वहां प्रवासी भारतीय सदस्यों की संख्या लगभग पांच लाख है।''

आप 'भ्रष्टाचार और अराजकता की प्रतीक, दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को मंगलवार को ''भ्रष्टाचार और अराजकता का प्रतीक'' करार दिया और राष्ट्रीय राजधानी के लोगों से पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''डबल इंजन सरकार'' के लिए वोट देने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने मंगोलपुरी में भाजपा उम्मीदवार राज कुमार चौहान के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली में ''बदबूदार यमुना'' को लेकर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना भी की।

आदित्यनाथ ने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में संगम में हाल में लगायी गई अपनी डुबकी का जिक्र करते हुए कहा, यदि आपमें नैतिक साहस होता, तो आप 'आप' सरकार के मंत्रियों के साथ यमुना में डुबकी लगाते। उन्होंने यह भी दावा किया कि आप ने दक्षिणी दिल्ली के ओखला में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को आधार कार्ड प्रदान करके पाप किया है। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि दिल्ली में नागरिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया है और दिल्ली के लोग बेहतर सुविधाओं के लिए उत्तर प्रदेश के नोएडा और गाजियाबाद में जाकर बस रहे हैं। सत्तर सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव पांच फरवरी को होगा और मतों की गिनती आठ फरवरी को होगी।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सिनेमाघरों में बच्चों के रात 11 बजे के बाद प्रवेश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सिनेमाघरों में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के रात 11 बजे के बाद फिल्म देखने पर रोक लगा दी है। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा इस बारे में निर्णय लिए जाने तक प्राधिकारों को रात में 11 बजे के बाद बच्चों को सिनेमाघरों में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में रात 11 बजे के बाद फिल्म देखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

अदालत ने राज्य सरकार को सभी हितधारकों से परामर्श करने तथा सिनेमाघरों, मल्टीप्लेक्स में पूर्वाह्न 11 बजे से पहले और रात 11 बजे के बाद 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के प्रवेश को विनियमित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को निर्देश जारी करने की व्यवस्था दी। अदालत ने कहा, जब तक ऐसा निर्णय नहीं हो जाता, प्रतिवादी 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को रात 11 बजे के बाद फिल्म देखने की अनुमति नहीं देंगे। अदालत सोमवार को राम चरण अभिनीत फिल्म 'गेम चेंजर' और अन्य की टिकट कीमतों में वृद्धि से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता विजय गोपाल के वकील ने दलील दी कि नाबालिगों को देर रात के दौरान फिल्में देखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

मल्टीप्लेक्स में अंतिम शो रात 1.30 बजे तक चलता है तथा देर रात के शो के दौरान सिनेमाघरों में नाबालिगों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को पिछले वर्ष दिसंबर में संध्या थिएटर में 'पुष्पा-2' के शो के दौरान भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को देखते हुए सिनेमाघरों में नाबालिगों के प्रवेश को विनियमित करने के लिए त्वरित निर्णय लेना चाहिए। भगदड़ में एक लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसकी मां की मृत्यु हो गई थी।

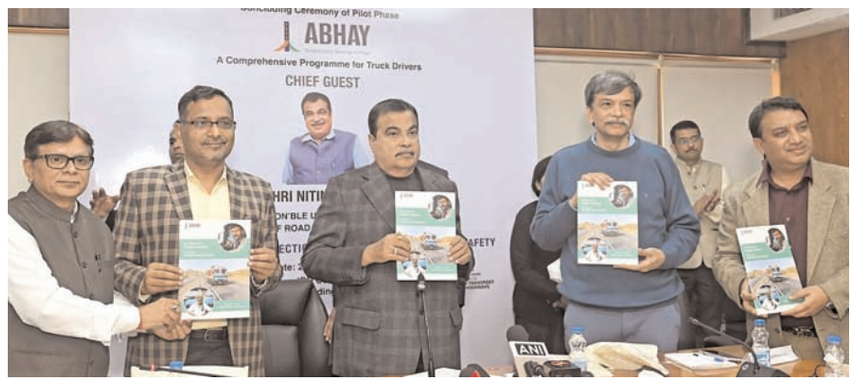

देश में करीब 55 प्रतिशत ट्रक ड्राइवरों की नजर कमजोर : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में करीब 55.1 प्रतिशत ट्रक ड्राइवरों की नजर कमजोर है, जबकि 53.3 प्रतिशत को दूर की दृष्टि में सुधार की जरूरत है और 46.7 प्रतिशत को निकट दृष्टिदोष के उपचार की जरूरत है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा तैयार इस रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 44.3 प्रतिशत ड्राइवरों में शरीर द्रव्यमान सूचकांक (बीएमआई) सीमा रेखा या उससे अधिक है जबकि 57.4 प्रतिशत में रक्तचाप का स्तर बढ़ा हुआ है और 18.4 प्रतिशत में ब्लड शुगर सीमा रेखा या उससे अधिक पाया गया।

आईआईटी दिल्ली ने यह रिपोर्ट फोरसाइट फाउंडेशन के सहयोग से तैयार की है। इसके लिए उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों के कुल 50,000 ट्रक ड्राइवरों की जांच की गई। रिपोर्ट कहती है कि लगभग 33.9 प्रतिशत ट्रक ड्राइवरों ने मध्यम स्तर के तनाव होने की जानकारी दी, जबकि 2.9 प्रतिशत में तनाव का उच्च स्तर पाया गया, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सहायता की जरूरत को बल मिलता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, सड़कों पर 70 प्रतिशत यातायात और ढुलाई लागत 14-16 प्रतिशत बढ़ने के साथ भारत परिवहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। गडकरी ने कहा कि भारत के परिवहन क्षेत्र के सामने एक महत्वपूर्ण मुद्दा ड्राइवरों की कमी है और हर 100 ट्रक पर केवल 75 ड्राइवर मौजूद हैं।

दिल्ली: अंतरराज्यीय हथियार आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार, अवैध अस्त्र बरामद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने रजोकरी फ्लाई ओवर के निकट एक अंतरराज्यीय हथियार आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार कर अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी हारू सिंह (35) के पास से चार देसी पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए गए हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर अपराध शाखा ने सिंह को ऑटो-रिक्शा में जाते समय जांच के लिए रोका। उन्होंने बताया, टीम ने उससे पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया।

छठी कक्षा में पढ़ाई छोड़ चुका आरोपी हारू सिंह ऑटो-रिक्शा चालक है और शीघ्र पैसे कमाने के लिए हथियारों की तस्करी करता था।

उन्होंने कहा कि, वह राजस्थान से हथियार खरीदकर दिल्ली में अपराधियों को बेचता था। हत्या के प्रयास और हमले के मामले सहित सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है।

जब तक किसानों की मांगें मानी नहीं जातीं, तब तक अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा: डल्लेवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने मंगलवार को कहा कि जब तक केंद्र सरकार फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को स्वीकार नहीं कर लेती तब तक वह अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे। डल्लेवाल ने खनौरी धरना स्थल पर मीडिया से कहा कि पूरे देश को एमएसपी की जरूरत है। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा, पंजाब को भी अपने भूमिगत जल स्तर को बचाने के लिए एमएसपी की जरूरत है।

केंद्र सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 18 जनवरी को आंदोलनकारी किसानों को उनकी मांगों पर चर्चा करने के लिए चंडीगढ़ में 14 फरवरी को बैठक के लिए आमंत्रित किया था जिसके बाद से डल्लेवाल ने चिकित्सकीय सहायता लेनी शुरू कर दी लेकिन उन्होंने अपना अनशन समाप्त नहीं किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर पिछले साल 26 नवंबर से खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं। किसान नेता ने आंदोलन को समर्थन देने के लिए किसानों और श्रमिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि किसान मंचों - संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा - ने केंद्र के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से 14 फरवरी को बैठक के लिए निमंत्रण मिलने के बाद उनसे चिकित्सकीय सहायता लेने का अनुरोध किया था जिसके बाद उन्होंने यह सहायता लेना स्वीकार किया।

दिल्ली : बुराड़ी में इमारत ढहने से दो लड़कियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में चार मंजिला इमारत ढहने से दो लड़कियों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि 'ऑस्कर पब्लिक स्कूल' के पास नवनिर्मित इमारत सोमवार शाम को ढह गई थी। अब तक, 12 लोगों को बचाया जा चुका है।

मृतकों की पहचान साधना (17) और राधिका (7) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है और मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

सोमवार की रात को दिल्ली पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया कि पुलिस को इमारत ढहने की सूचना लगभग शाम सात बजे मिली।

पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बचान अभियान शुरू किया गया।

अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। पुलिस, दमकल विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल समेत कई एजेंसियों के अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर पता कर रही है कि इमारत के भीतर कितने लोग अभी भी फंसे हुए है। उन्होंने कहा, हमने मामले की जांच शुरू कर दी है और कई टीमें गठित की गई हैं। इमारत के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई चल रही है।

दलित संगठनों और भाजपा ने अंबेडकर प्रतिमा तोड़ने की कोशिश के खिलाफ पंजाब में किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फगवाड़ा/होशियारपुर/लुधियाना/भाषा। पंजाब के अमृतसर में बी आर अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के प्रयास के विरोध में मंगलवार को दलित संगठनों के 'बंद' के आह्वान पर लुधियाना, होशियारपुर, जालंधर, फगवाड़ा, मोगा और कुछ अन्य स्थानों पर बाजार बंद रहे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई ने भी राज्यभर में प्रदर्शन किया।

पुलिस ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की ओर जाने वाली 'हेरिटेज स्ट्रीट' पर स्थित टाउन हॉल में अंबेडकर की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने के प्रयास के आरोप में रविवार को मोगा जिले के धर्मकोट निवासी आकाश सिंह को गिरफ्तार किया था। इस घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति स्टील की सीढ़ी के सहारे चढ़ता और हथौड़े से प्रतिमा पर बार-बार प्रहार करता दिखाई दे रहा है। पंजाब भर में विभिन्न दलित संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया और गणतंत्र दिवस पर अंबेडकर की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने के प्रयास की कड़ी निंदा की।

ठाणे में अवैध रूप से चल रहे 81 स्कूल को तत्काल बंद करने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने शहर के 81 स्कूलों को अवैध रूप से संचालित घोषित कर उनके प्रबंधन को तुरंत संस्थानों को बंद करने का निर्देश दिया है।

टीएमसी के शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को प्रकाशित सूची के अनुसार, इनमें 79 अंग्रेजी माध्यम के स्कूल और दो हिंदी माध्यम के स्कूल शामिल हैं। इनमें से कुछ प्रसिद्ध व्यापारिक घरानों द्वारा प्रबंधित हैं। सूची के अनुसार, इनमें से अधिकतर अनाधिकृत स्कूल ठाणे के मुंब्रा और दिवा इलाकों में स्थित हैं। नगर निकाय ने लोगों से अपने बच्चों को इन स्कूलों में दाखिला न करवाने को कहा है। साथ ही, आदेशों का पालन न करने पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

तेलंगाना को दावोस बैठक में 1.80 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले: रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की हाल में संपन्न दावोस बैठक के दौरान राज्य लगभग 1,80,000 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव हासिल करने में सफल रहा है।

रेड्डी ने इसे अपनी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि राज्य सरकार और निवेश आकर्षित करने की इसकी क्षमता पर संदेह पैदा करने के प्रयास गलत साबित हुए हैं, क्योंकि कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों ने तेलंगाना में निवेश का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तेलंगाना में निवेश की इच्छुक कंपनियां सरकार की केंद्रित नीतियों और रणनीतिक योजनाओं से आकर्षित हुई हैं। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पिछले सप्ताह स्विटजरलैंड के दावोस में आयोजित दावोस शिखर सम्मेलन में शिरकत करने गया था। इस दौरान लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए के निवेश संबंधी 20 समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश प्रस्तावों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रशासनिक मंजूरी, भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक कदम उठाएगी ताकि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें।

स्वच्छ राजनीति की बात करने वाले केजरीवाल 'शीशमहल' में रहने लगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा आम आदमी पार्टी (आप) पर मंगलवार को तीखा प्रहार किया और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने साफ-सुथरी राजनीति की बात की थी, लेकिन उनकी सरकार में सबसे बड़ा शराब घोटाला हो गया और वह 'शीशमहल' में रहने लगे। उन्होंने यहां पटपड़गंज में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश को नफरत नहीं, मोहब्बत की दुकान चाहिए।

दिल्ली में सभी 70 विधानसभा सीट पर पांच फरवरी को मतदान होना है। मतगणना आठ फरवरी को होगी। राहुल गांधी ने कहा, आज विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ नफरत फैलाने वाले लोग हैं और दूसरी तरफ कांग्रेस की विचारधारा है। इसको समझाने का आसान तरीका यह कहना है कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। उन्होंने कहा, हम डर, हिंसा और नफरत का हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं। हमें मोहब्बत की दुकान चाहिए।

कांग्रेस नेता नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस के लोग भाई को भाई से लड़ा रहे हैं। उन्होंने आप संयोजक केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा, केजरीवाल जी के मन में जो आता है, वो कह देते हैं। पहले आए थे तो छोटी गाड़ी में चलते थे, बिजली के खंभे पर चढ़ गए थे, कहा था कि दिल्ली को बदल देंगे। जब गरीबों को जरूरत पड़ी, तो कहीं नहीं दिखे। जब दिल्ली में हिंसा हुई, तो वह कहीं नहीं दिखे। राहुल गांधी ने कहा, केजरीवाल जी ने कहा था कि साफ राजनीति लाऊंगा।

महाराष्ट्र में अवैध बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी किए गए : सौमैया

जालना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में एक घोटाले के तहत अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्याओं को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। सोमैया ने कहा कि गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन गड़बड़ियों के उजागर होने के बाद कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा घोटाले के तहत फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और स्कूल प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। पिछले छह महीने से अधिक समय में 2.14 लाख बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं ने महाराष्ट्र में जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है।

मुंबई से पूर्व भाजपा सांसद ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया, कुल मिलाकर इन विदेशी नागरिकों को संदिग्ध परिस्थितियों में 1.13 लाख जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन फर्जी प्रमाण पत्रों को जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। सोमैया ने दावा किया कि जालना जिले की भोकरदन तहसील में सबसे अधिक आवेदन मिले और जिले में कुल 7,957 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए।

टोयोटा के लिए मप्र आदर्श स्थान : मोहन यादव

युवा प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए निवेश किया जा सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि मध्य प्रदेश टोयोटा के लिए सुविधाएं स्थापित करने और तकनीकी नौकरियों में युवाओं के प्रशिक्षण को बढ़ाने में निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है।

यादव ने राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों और कुशल कार्यबल उपलब्धता पर जोर दिया और जापान के वाहन विनिर्माता को निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। टोयोटा के वरिष्ठ नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान भारत और मध्य प्रदेश में कंपनी की पहलों तथा परिचालनों पर बात की। राज्य में आगामी वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में उन्होंने व्यापार संबंधों की संभावनाओं की समीक्षा करने की मंशा व्यक्त की। यादव जापान की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। यह पिछले वर्ष शुरू किए गए 'मध्य प्रदेश में निवेश' अभियान का हिस्सा है। यह अभियान 24 और 25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाले 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश' - वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2025 में सम्पन्न होगा। यादव ने यहां टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन (जो विश्व की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनियों में से एक है) के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। उन्होंने टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के भारत तथा पश्चिम एशिया प्रभाग के प्रशासन एवं सहायता विभाग के महाप्रबंधक तोशीयुकी नाकाहारा और भारत और पश्चिम एशिया प्रभाग के प्रशासन एवं सहायता विभाग के परियोजना महाप्रबंधक मासाहिरो नोगी के साथ संभावित व्यापार संबंधों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, हमने मध्य प्रदेश में उपलब्ध प्रचुर अवसरों पर बात की जिसमें विशाल भूमि, कुशल युवा कार्यबल,

परिवार को प्राथमिकता देते हैं भारत के 78 प्रतिशत कर्मचारी : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कार्य-जीवन संतुलन बनाने पर बहस और एलएंडटी के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यन के सप्ताह में 90 घंटे काम करने की टिप्पणी के बीच एक सर्वेक्षण में शामिल 78 प्रतिशत कर्मचारियों ने परिवार को प्राथमिकता देने की बात कही।

वैश्विक स्तर पर नौकरियों की जानकारी देने वाली वेबसाइट इनडीड की 'फ्यूचर करियर रेजोल्यूशन' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कर्मचारियों की प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण बदलाव आया है, जिसमें लगभग पांच में से चार (78 प्रतिशत) ने कहा कि वे 2025 में करियर में उन्नति के बजाय जीवनसाथी, बच्चों और माता-पिता के साथ समय बिताने को प्राथमिकता देना चाहते हैं। इसमें कहा गया, कर्मचारी कम तनाव चाहते हैं और मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहते हैं। साथ ही अच्छी तनख्वाह वाली ऐसी नौकरी चाहते हैं जिससे वे जीवन का आनंद उठा सकें और जिसमें परिवार तथा व्यक्तिगत हितों के लिए लचीलापन हो।

इंडीड के विपणन निदेशक (ऑस्ट्रेलिया, भारत और सिंगापुर) राचेल टाउनस्ले ने कहा, हम निश्चित रूप से भारतीय कामगारों के लिए महत्वपूर्ण चीजों में बदलाव देख रहे हैं। अधिक से अधिक लोग हमें बता रहे हैं कि वे काम और घरेलू जीवन के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहते हैं। हालांकि, अधिक कमाई करना महत्वपूर्ण है, लेकिन अधिकतर लोगों के लिए अच्छे करियर का मतलब तरक्की से नहीं बल्कि सुरक्षित महसूस करने व उचित भुगतान पाने से है। रिपोर्ट दिसंबर, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच इंडीड की पूर्वानुमान विश्लेषण प्रणाली वालूवॉक्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें सिंगापुर, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के 6,126 कर्मचारियों और नौकरी चाहने वालों से संपर्क किया गया। इसमें भारत के 2,507 लोग शामिल थे। इसमें पाया गया कि बदलती प्राथमिकताओं के साथ-साथ भारतीय कर्मचारी नौकरी बाजार के प्रति भी आशावादी बने हुए हैं। इसमें शामिल भारतीयों में से 59 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को नियुक्ति प्रक्रियाओं में भी बदलाव की उम्मीद है, जिसमें पारंपरिक डिग्री-आधारित योग्यता की तुलना में कौशल-आधारित भर्ती पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, यह प्रवृत्ति प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे उभरते उद्योगों में नौकरी की बढ़ती मांग को दर्शाती है, जहां व्यावहारिक विशेषज्ञता तथा व्यावहारिक कौशल अक्सर औपचारिक शैक्षिक योग्यता से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

पलानीस्वामी ने मछुआरों के मुद्दे पर सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार की आलोचना की

चेन्नई। अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख व तमिलनाडु में विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने श्रीलंका द्वारा मछुआरों के मुद्दे पर मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की आलोचना की और कहा कि जब भी श्रीलंकाई नौसेना राज्य के भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करती है तो राज्य सरकार केंद्र को पत्र लिखने तक ही सीमित रह जाती है। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा शनिवार को भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने की घटना पर विपक्षी नेता ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रभावित मछुआरों के परिजनों को इस बात का अफसोस है कि गिरफ्तारी और नौकाओं को जब्त करने की घटनाएं बढ़ रही हैं, उनका कहना है कि द्रमुक सरकार सिर्फ केंद्र को पत्र लिखती है और आगे बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी और उनकी नौकाओं की जब्ती को रोकने के लिए द्रमुक के नेतृत्व वाले गुट के 39 सांसदों को संसद में 'अपेक्षित दबाव' डालना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र को बिना किसी देरी के श्रीलंका सरकार के साथ बातचीत करनी चाहिए और इस मुद्दे का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

श्रीहरिकोटा से इसरो के 100वें मिशन की उल्टी गिनती शुरू

चेन्नई/श्रीहरिकोटा। श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संगठन (इसरो) के ऐतिहासिक 100वें मिशन यानी जीएसएलवी रॉकेट के जरिए नेविगेशन उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए 27 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के नेतृत्व में पहला मिशन होगा। उन्होंने 13 जनवरी को पदभार संभाला था। सूत्रों ने बताया कि स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण के साथ भू-समकालीन उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) अपनी 17वीं उड़ान में नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-02 को लेकर यहां दूसरे लॉन्च पैड से 29 जनवरी को सुबह छह बजकर 23 मिनट पर प्रक्षेपित होगा।

यह नेविगेशन उपग्रह 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) श्रृंखला का दूसरा उपग्रह है, जिसका उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप के साथ-साथ भारतीय भूभाग से लगभग 1,500 किलोमीटर आगे के क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति, गति और समय की जानकारी प्रदान करना है। कई सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 27.30 घंटे की उल्टी गिनती सोमवार देर रात दो बजकर 53 मिनट पर शुरू हुई।

केरल पुलिस ने दोहरे हत्याकांड के आरोपी की तलाश तेज की

पलक्कड़। केरल पुलिस ने मंगलवार को एक बुजुर्ग महिला और उनके 53 वर्षीय बेटे की हत्या के आरोपी चेंथमारा की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चेंथमारा ने सोमवार दिनदहाड़े अपराध को अंजाम दिया और उसके बाद फरार हो गया। मृतकों की पहचान 72 वर्षीय लक्ष्मी और उनके बेटे सुधाकरण के रूप में हुई है। यह घटना नेन्मारा थाने के अंतर्गत पोथुंडी इलाके में हुई।

पुलिस के अनुसार चेंथमारा (57) से उसकी पत्नी और बच्चे दूर हो गए थे और वह इसके लिए सुधाकरण के परिवार को जिम्मेदार मानता था। पुलिस ने कहा कि चेंथमारा ने यह अपराध जमानत पर बाहर रहते हुए किया। इससे पहले वह 2019 में सुधाकरण की पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए स्थानीय लोगों से भी मदद मांगी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चेंथमारा के पास के पहाड़ी इलाकों में छिपे होने का अनुमान है।

इस बीच, कांग्रेस पार्टी और सुधाकरण के बच्चों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि आरोपी के गांव लौटने और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने के बारे में सूचना देने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस मामले में पुलिस की कथित लापरवाही के विरोध में युवा कांग्रेस ने थाने तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने थाने के सामने बैरिकेड लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की और उनकी पुलिस के साथ तीखी कहासुनी हुई। क्षेत्र में तनाव तब शांत हुआ जब पुलिस ने हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया।

द्रविड़ आंदोलन सामाजिक न्याय को स्थापित करने के लिए हुआ था शुरू : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विल्लुपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि द्रविड़ आंदोलन सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए शुरू हुआ तथा द्रमुक सामाजिक न्याय के मार्ग पर अपना सफर जारी रखेगा। स्टालिन ने यहां कहा कि केवल द्रमुक शासन में ही पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 31 प्रतिशत किया गया, अनुसूचित जातियों को 18 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया एवं अनुसूचित जनजातियों को एक प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

उन्होंने कहा कि अति पिछड़े वर्गों के लिए अलग से आरक्षण की घोषणा की गई तथा सरकार ने मुसलमानों के लिए 3.5 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया, इसके अलावा अरुंधतियार के लिए तीन प्रतिशत आंतरिक आरक्षण भी पक्का किया गया। विल्लुपुरम जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने जिले के वझुधरेड्डी में 21 सामाजिक न्याय कार्यकर्ताओं के सम्मान में 5.70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक स्मारक का उद्घाटन किया। इन कार्यकर्ताओं ने वन्नियार समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर संघर्ष के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्टालिन ने पूर्व मंत्री ए गोविंदस्वामी की प्रतिमा वाले एक स्मारक हॉल का भी उद्घाटन किया और कहा कि 21 लोग 1987 में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम शासन में आरक्षण के लिए संघर्ष के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मारे गए थे। उन्होंने कहा कि इस उद्घाटन जरिये 2019 विक्रवंडी उपचुनाव के दौरान किया गया चुनावी वादा भी पूरा हुआ है।

श्रीलंकाई नौसेना की गोलीबारी में दो भारतीय मछुआरे घायल

पुडुचेरी। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को भारत के 13 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। मछुआरों द्वारा गिरफ्तारी से बचने के प्रयास के दौरान श्रीलंकाई नौसेना ने गोलीबारी की जिसमें दो मछुआरे घायल हो गए। पुडुचेरी सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि घायल मछुआरों में से एक कराईकल जबकि दूसरा तमिलनाडु निवासी है। अधिकारी के अनुसार, दोनों मछुआरों को जाफना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी ने बताया कि शेष मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया है। श्रीलंकाई नौसेना ने इन 13 मछुआरों को कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पार कर द्वीपीय राष्ट्र के जलक्षेत्र में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार किया है और उनकी नौका को भी जब्त कर लिया है। इस बीच, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वे गिरफ्तार किए गए सभी मछुआरों की रिहाई के लिए प्राथमिकता के आधार पर उचित कदम उठाएं। रंगासामी ने अपने पत्र में कहा कि कराईकल (पुडुचेरी का एक परिक्षेत्र) के छह और तमिलनाडु के सात मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया है।

तमिलनाडु के मंत्री का दावा, राज्य के अधिकारों को छीनने के लिए बनाए गए यूजीसी मसौदा नियम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मसौदा नियम 2025 राज्य के अधिकारों को छीनने के लिए तैयार किए गए थे और इन्हें तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। चेझियान ने कहा कि अगर ये नियम लागू होते हैं, तो उच्च शिक्षा विभाग में निर्वाचित राज्य सरकार की भूमिका में कटौती होगी और कुलाधिपति यानी राज्यपाल को राज्य संसाधनों से स्थापित राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के संबंध में अधिक शक्तियां मिलेंगी।

चेन्नई में संवावादाताओं से बातचीत में मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर नये प्रस्तावित नियमों के जरिये राज्य विश्वविद्यालयों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की शक्तियां विधिवत निर्वाचित राज्य सरकार के पास ही रहनी चाहिए। चेझियान ने दावा किया, यूजीसी का नया मसौदा शिक्षा क्षेत्र में राज्य के अधिकारों को छीनने के लिए तैयार किए गए हैं। साथ ही, ये विश्वविद्यालयों के लिए अच्छे संकेत नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार इन नियमों का तब तक विरोध करेगी, जब तक इन्हें वापस नहीं ले लिया जाता और छात्रों एवं अभिभावकों को भी नये मसौदा नियमों पर अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए। चेझियान ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विभिन्न समस्याएं पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि कुलपतियों की नियुक्ति में कौन बाधा डाल रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नौ राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर नये नियमों का विरोध करने का अनुरोध किया है।

उच्च न्यायालय ने अभिनेता धनुष के वाद को निरस्त करने संबंधी नेटफ्लिक्स की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स की भारतीय इकाई लॉस गैटोस द्वारा दायर आवेदन खारिज कर दिया, जिसमें अभिनेत्री नयनतारा, उनके पति विग्नेश और अन्य द्वारा कथित तौर पर कॉपीराइट उल्लंघन किए जाने के मामले में अभिनेता धनुष की ओर से दायर वाद को निरस्त करने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति अब्दुल कुद्दोस ने लॉस गैटोस द्वारा दायर आवेदन को खारिज कर दिया और धनुष के प्रोडक्शन हाउस वंडरबार द्वारा दायर याचिका पर अगली सुनवाई 5 फरवरी के लिए निर्धारित की। वंडरबार ने याचिका में लॉस गैटोस और अन्य के खिलाफ अंतरिम निषेध आदेश दिए जाने का आग्रह किया है।

धनुष ने अपने आवेदन में कहा था कि उन्होंने कुछ साल पहले तमिल फिल्म नानुम राउडी धान' का निर्माण किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म निर्माण के समय की पर्दे के पीछे की कुछ फुटेज का उपयोग नयनतारा की डॉक्यूमेंटरी 'नयनतारा : बियॉन्ड द फेयरीटेल' के निर्माण में अनधिकृत रूप से किया गया जिसका प्रसारण नेटफ्लिक्स पर हुआ। धनुष ने कहा कि चूंकि नेटफ्लिक्स का कार्यालय मुंबई में है जो मद्रास उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर है, इसलिए उन्होंने इस अदालत में ओटीटी मंच पर मुकदमा चलाने के लिए अनुमति मांगते हुए आवेदन दायर किया था, जिसे अनुमति दे दी गई।

नेटफ्लिक्स ने आदेश को रद्द कराने के आग्रह के साथ आवेदन दायर किया। उच्च न्यायालय ने अनुमति रद्द किए जाने और वादपत्र को अस्वीकार करने के नेटफ्लिक्स के आवेदन को खारिज कर दिया। वाद को इस आधार पर अस्वीकार करने का अनुरोध किया गया कि कोई तात्कालिकता नहीं है क्योंकि डॉक्यूमेंटरी पहले ही जारी हो चुकी है, इसलिए वादी को अनिवार्य मुकदमा-पूर्व मध्यस्थता के लिए जाना चाहिए था। उच्च न्यायालय इस बात से सहमत नहीं हुआ और आवेदन खारिज कर दिया।

अभिनेत्री की शिकायत पर मलयालम फिल्म निर्माता सनल कुमार शशिधरन के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। मलयालम फिल्मों के निर्माता सनल कुमार शशिधरन के खिलाफ एक अभिनेत्री को सोशल मीडिया मंच के जरिए परेशान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि एलमक्कारा पुलिस ने 'कायट्टम' के निर्देशक के खिलाफ कथित तौर पर पीछा करने, आपराधिक धमकी और मानहानि के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, अभिनेत्री द्वारा सोमवार को की गई शिकायत पर शशिधरन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। हाल में फेसबुक पर एक पोस्ट में निर्देशक ने दावा किया था कि अभिनेत्री और उनकी बेटी की जान को खतरा है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने इस मामले में प्राथमिकी की प्रति सोमवार को सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर साझा की और दावा किया कि अभिनेत्री के नाम पर किसी अन्य ने उनके खिलाफ शिकायत की है। शशिधरन को इसी अभिनेत्री की शिकायत के आधार पर मई 2022 में गिरफ्तार किए जाने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया था। उन पर सोशल मीडिया मंच के जरिए अभिनेत्री को कथित तौर पर ब्लैकमेल करने और उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप था। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि आरोपी फिल्म निर्माता कुछ समय से अमेरिका में रह रहा है।

इस बारे में पूछे जाने पर कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त पुट्टा विमलादित्य ने मंगलवार को कहा कि अगर आरोपी विदेश में है तो उसके खिलाफ कानूनी कदम उठाते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने कहा कि उनके फेसबुक पोस्ट को हटाने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे, क्योंकि इसमें कथित तौर पर अपमानजनक सामग्री थी। अधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया मंच से कथित अपमानजनक सामग्री को हटाने के लिए पीड़िता फेसबुक से भी संपर्क कर सकती है।

दिव्यांग सशक्तिकरण शिविर का एक दृश्य।

वैष्णव कालेज एवं सरकार के सहयोग से सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अरुणबाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज में 28 जनवरी को जिला प्रशासन और दिव्यांग कल्याण विभाग के सहयोग से सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया।

सचिव अशोक कुमार मूंदड़ा ने जोर देकर कहा कि समावेशी समाज के निर्माण के लिए ऐसे कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण हैं और उन्होंने एसएनईओ सेल की सराहना की। आज, दिव्यांग जिला कल्याण विभाग (उत्तरी चेन्नई जिला) के अधिकारियों ने डॉक्टरों की एक टीम के साथ इस शिविर में उत्तरी चेन्नई जिला क्षेत्र के लगभग 100 छात्रों और जनता की मदद की। उन्हें यूडीआईडी कार्ड, यात्रा रियायतें और पासबुक जारी किए गए। यहां एक लाभार्थी को व्हीलचेयर मिली।

यह शिविर महाविद्यालय के विशेष आवश्यकता एवं समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया था। जिला दिव्यांग कल्याण कार्यालय के अधिकारी बालाजी सम्मानित अतिथि थे और उन्होंने इस शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रिंसिपल डॉ.संतोष बाबू ने हर साल ऐसी आउटरीच पहल आयोजित करने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस शिविर का आयोजन करने वाले विशेष आवश्यकता समान अवसर सेल के संयोजक डॉ. उत्तरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केरल पुलिस ने दोहरे हत्याकांड के आरोपी की तलाश तेज की

पलक्कड़। केरल पुलिस ने मंगलवार को एक बुजुर्ग महिला और उनके 53 वर्षीय बेटे की हत्या के आरोपी चेंथमारा की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चेंथमारा ने सोमवार दिनदहाड़े अपराध को अंजाम दिया और उसके बाद फरार हो गया। मृतकों की पहचान 72 वर्षीय लक्ष्मी और उनके बेटे सुधाकरण के रूप में हुई है। यह घटना नेन्मारा थाने के अंतर्गत पोथुंडी इलाके में हुई।

पुलिस के अनुसार चेंथमारा (57) से उसकी पत्नी और बच्चे दूर हो गए थे और वह इसके लिए सुधाकरण के परिवार को जिम्मेदार मानता था। पुलिस ने कहा कि चेंथमारा ने यह अपराध जमानत पर बाहर रहते हुए किया। इससे पहले वह 2019 में सुधाकरण की पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए स्थानीय लोगों से भी मदद मांगी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चेंथमारा के पास के पहाड़ी इलाकों में छिपे होने का अनुमान है।

इस बीच, कांग्रेस पार्टी और सुधाकरण के बच्चों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि आरोपी के गांव लौटने और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने के बारे में सूचना देने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस मामले में पुलिस की कथित लापरवाही के विरोध में युवा कांग्रेस ने थाने तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने थाने के सामने बैरिकेड लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की और उनकी पुलिस के साथ तीखी कहासुनी हुई। क्षेत्र में तनाव तब शांत हुआ जब पुलिस ने हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया।

प्रियंका ने बाघ हमले की शिकार महिला के परिजन से मुलाकात की, माकपा कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को उस महिला के परिवार से मुलाकात की जिसकी पिछले सप्ताह इस जिले में बाघ के हमले में मौत हो गई थी। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी पार्टी के पूर्व जिला पदाधिकारी एन. एम. विजयन के परिवार से भी मिलीं, जिन्होंने दिसंबर 2024 में अपने बेटे के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जब बाघ के हमले में जान गंवाने वाली महिला के परिजन से मिलने के लिए उसके घर जा रही थीं, तब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए और ''वापस जाओ'' के नारे लगाये।

कांग्रेस पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि प्रियंका गांधी अपराह्न करीब 1.15 बजे राधा के घर पहुंचीं और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। बाघ ने राधा पर 24 जनवरी को मनंतवडी गांव में प्रियदर्शिनी एस्टेट में उस समय हमला किया था जब वह वहां कॉफी बीन्स इकट्ठा करने गई थी। वन अधिकारियों ने बताया कि राधा पर हमला करने वाला बाघ सोमवार को केरल के वायनाड जिले में मृत पाया गया। उन्होंने बताया कि बाघ के पोस्टमार्टम से उसके पेट में उक्त महिला के बाल, कपड़े और एक जोड़ी बालियां होने का पता चला है। राधा के घर से निकलने के बाद प्रियंका गांधी विजयन के परिवार से मिलने पहुंचीं। विजयन के परिवार ने संवाददाताओं को बताया कि प्रियंका गांधी ने उन्हें पार्टी का समर्थन और वित्तीय एवं अन्य सभी मुद्दों पर सहयोग का आश्वासन दिया। विजयन के परिवार ने यह भी कहा कि प्रियंका गांधी ने उन्हें विजयन और उनके बेटे की आत्महत्या की जांच के लिए कांग्रेस द्वारा गठित आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद पार्टी द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एन. एम. विजयन वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के कोषाध्यक्ष थे। परिवार ने कहा, उन्होंने (प्रियंका गांधी) सहयोगी रुख के साथ बातचीत की। उन्होंने हमसे कहा कि हम निराश न हों। उन्होंने कहा कि हमारे वित्तीय मुद्दों का जल्द ही समाधान हो जाएगा। हमने अपने पिता (विजयन) द्वारा लिखा गया पत्र उन्हें नहीं भेजा था। इसलिए, हमने उन्हें पत्र के विषय में बताया। उन्होंने हमारी बात सुनी।

आत्महत्या का प्रयास करने के बाद विजयन (78) और उनके बेटे जिजेश (38) की 27 दिसंबर, 2024 को कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मृत्यु हो गई थी।

नवरतन स्पोर्ट्स एरिना का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई के तिरुनीरमलाई हाईवे स्थित महर्षि विद्या मंदिर के आनंद मधुकर कैम्पस में सर्वश्रेष्ठ अत्याधुनिक खेल सुविधा नवरतन स्पोर्ट्स एरिना का उद्घाटन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 10 से अधिक खेल हैं।

खिंवराज ग्रुप के चेयरमैन नवरतनमल चोरड़िया की दूरदर्शिता का यह अनुपम उदाहरण है। इस सुविधा में 50 मिमी कृत्रिम टर्फ के साथ फीफा मानक फुटसल मैदान, पूर्ण आकार का बास्केट बॉल कोर्ट, 10 मिमी कृत्रिम टर्फ के साथ क्रिकेट नेट सह तीरंदाजी केंद्र, 2 पिकलबॉल कोर्ट (स्कूलों में पहली बार), 1 मल्लखंभ कोर्ट और वॉलीबॉल, थ्रोबॉल, खो-खो और कबड्डी खेलने के लिए पारंपरिक मिट्टी में 1 मल्टी कोर्ट शामिल हैं। 60 हजार वर्ग फीट में फैली यह सम्पूर्ण सुविधा तमिलनाडु में अपनी तरह की एक एकीकृत खेल सुविधा है।

मंगलवार को इसके उद्घाटन के अवसर पर स्कूल की चौथी वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2024-25 भी उसी दिन आयोजित की गई। जिसमें मुख्यअतिथि के रूप में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समूह के चेयरमैन अजय प्रकाश श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। स्कूल समूह के निदेशक एवं सहअध्यक्ष नीलकंठ पिल्लई, पूर्व भारतीय बास्केट बॉल टीम के कप्तान रहे सीवी सनी, स्पोर्ट्स लीग के सीईओ आर. बालासुब्रमण्यम, स्कूल के पत्राचारक संदना देवन, और प्रिंसिपल शर्मिला सोमन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

जनसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कार्य सराहनीय : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारीमंगलवार को चूरू जिले के सरदारशहर दौरे पर रही उन्होंने सरदारशहर मुख्यालय पर श्रीबहादुर सिंह भानकंवर आदर्श विद्या मंदिर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया सहित विशिष्ठ अतिथि मंचस्थ रहे। अतिथियों ने नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कर अवलोकन किया तथा विद्यालय भवन निर्माण करवाने वाले भामाशाह जितेंद्र सिंह शेखावत व लक्ष्मी देवी शेखावत का सम्मान किया।

इस मौके पर संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दीया कुमारीने कहा कि जनसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कार्य सराहनीय है। भामाशाहों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में किया गया कार्य प्रेरणादायी है। संस्कारों के साथ अच्छे वातावरण में शिक्षा मिलने से भावी पीढ़ी विशाल व्यक्तित्व की धनी होगी और प्रदेश हर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। प्रदेश सरकार की मंशानुरूप सरकार व समाज के लोग मिलकर विकसित समाज, विकसित राजस्थान व विकसित भारत का संकल्प पूरा करें। हम अपनी भूमिका निभाएं एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों में अपना योग दें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का दूसरे बजट में शेखावाटी क्षेत्र के लिए बहुत संभावनाएं हैं। शेखावाटी क्षेत्र से बड़ी संख्या में खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए खिलाड़ियों और खेल क्षेत्र के उन्नयन के लिए भी अच्छी संभावनाएं मिलेंगी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि अच्छी शिक्षा के साथ संस्कार मिलने से हमारी संस्कृति का संरक्षण होगा। बच्चों की प्रतिभाएं निखरेंगी व चरित्रयुक्त व्यक्तित्व का निर्माण होगा। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि हम बच्चों की प्रतिभा के अनुरूप उन्हें कैरियर का चुनाव करने दें और प्रोत्साहित करें।

परम वैभव संपन्न भारत का निर्माण संघ का लक्ष्य : योगेंद्र

बारां। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह संपर्क प्रमुख योगेंद्र ने कहा है कि हिंदू चिंतन का मूल प्राणी मात्र के सुख और विश्व बंधुत्व की कल्पना है, जिसमें कर्णवन्तो विश्वमार्यम का भाव निहित है। यागेन्द्र ने यह उद्गार मंगलवार को यहां अस्पताल मार्ग पर स्थित खंडेलवाल धर्मशाला सभागार में संघ के संपर्क विभाग द्वारा सनातन के समक्ष चुनौतियां एवं हमारी भूमिका विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में व्यक्त किये। उन्होंने उपस्थित प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुये कहा कि संघ के स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण के लिये कार्यरत है। जैसे जनजाति क्षेत्रों में वनवासी कल्याण आश्रम, सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमाजन कल्याण समिति और शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती।

उन्होंने कहा कि आज सैन्य, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक महाशक्ति के रूप में उभरा है। सर्जिकल स्ट्राइक, कोरोना काल में वैक्सीन उपलब्धता और योग एवं दीपावली का विश्वव्यापी प्रसार भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। भारत को कमजोर करने के लिये विदेशी षड्यंत्र सक्रिय हैं। जातिवाद, सांप्रदायिकता और सांस्कृतिक विभाजन जैसे मुद्दों का दुष्प्रचार किया जा रहा है।

कांग्रेस को दिल्ली चुनाव में एक भी सीट नहीं मिलेगी : आठवले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलेगी और अगले 25 साल में पार्टी के लिए सत्ता में वापसी करना मुश्किल होगा। आठवले ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि अगर हम सत्ता में आए तो हम यह करेंगे। आपके सत्ता में आने का सवाल ही नहीं है। अगले 25 साल में आपके लिए सत्ता में आना बहुत मुश्किल है। जब तक मोदी जी और मैं साथ हैं, यह असंभव है।

दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी दिल्ली में चुनाव के लिए कोशिश कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलेगी। मंत्री ने कहा, राहुल गांधी अब भी कहते हैं कि संविधान खतरे में है, लेकिन संविधान खतरे में नहीं है। संविधान को बदलने का अधिकार किसी को नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि संविधान ने नए कानून बनाने का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा, संसद को पुराने कानूनों में संशोधन करने का अधिकार है और सरकार को भी यह अधिकार है। इसलिए संविधान को कोई खतरा नहीं है और राहुल गांधी इस तरह के बयान देकर अपनी पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मुझे लगता है कि सिर्फ बाबा साहेब आंबेडकर जी का नाम लेने से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अन्य लोग, संविधान को लेकर राजनीतिक दुष्प्रचार कर रहे हैं।

आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, राहुल गांधी से मेरा सवाल है कि जब आपकी सरकार इतने सालों तक सत्ता में थी, तब उन्होंने इसे क्यों नहीं बढ़ाया?। आपकी सरकार तो 2014 तक सत्ता में थी। आपने इसे नहीं बढ़ाया। उस समय तक, आपने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सशक्त नहीं बनाया?

अपने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का ब्योरा देते हुए आठवले ने कहा कि 2021 से नवंबर 2024 के बीच राजस्थान में 125 नशा मुक्ति केंद्रों के वित्तपोषण के लिए 25 करोड़ रुपये से अधिक और देशभर में 2,032 नशा मुक्ति केंद्रों के वित्तपोषण के लिए 366 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 102 वृद्धाश्रमों की स्थापना या वित्तपोषण के लिए 10 करोड़ रुपये और देशभर में 2,300 वृद्धाश्रमों की स्थापना के लिए 407 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत 2015 से जनवरी 2025 तक देशभर में 51 करोड़ 59 लाख से अधिक लोगों को 31,78,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया गया है, जिसमें राजस्थान में दो करोड़ 20 लाख से अधिक लोगों को 1,68,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया गया है।

अंधविश्वास के खेल में मृतक बच्चे की आत्मा लेने अस्पताल पहुंचे परिजन, चार साल पहले हुई थी मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। संभाग के सबसे बड़े एमबीएस अस्पताल में एक बार फिर अंधविश्वास का खेल देखने को मिला। जहां पर करीब 4 साल पहले इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत के बाद आज मृतक बच्चे के परिजन उसकी आत्मा लेने अस्पताल पहुंचे। अस्पताल प्रशासन द्वारा अंदर प्रवेश की इजाजत नहीं मिलने पर परिजनों और उनके साथ आए ग्रामीणों ने गेट पर ही पूजा-अर्चना शुरू कर दी और धरने पर बैठ गए। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस कुछ लोगों को अपने साथ अस्पताल परिसर में बनी चौकी में ले गई।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के झाड़गंज गांव निवासी मृतक बच्चे मनराज के पिता रामफूल केवट ने बताया कि करीब 4 साल पहले उनके बेटे की एमबीएस अस्पताल में बीमारी के चलते इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों का कहना है कि बच्चे की मौत के बाद से ही परिवार में संकट खड़ा हो गया। हर कोई बीमार रहने लगा, जिसके बाद किसी से सलाह लेने पर बच्चे की आत्मा ले जाने की बात कही थी। ऐसे में आज परिजन उसकी आत्मा लेने के लिए कोटा पहुंचे थे।

अस्पताल के गेट पर ही परिजनों द्वारा पूजा करने के बाद एक महिला के शरीर में देवी-देवता आने लगे। परिजनों का कहना है कि हम किसी को परेशान करने नहीं आए लेकिन सिर्फ अपने बेटे की आत्मा लेने के लिए आए हैं।

अस्पताल से आत्मा लेने जाने का ये अंधविश्वास का खेल पहला नहीं है, इसके पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अस्पताल से आत्मा ले जाने दांवा भीलवाड़ा, बूंदी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग यहां आ चुके हैं। पहले अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से लोग उस वार्ड और बेड तक पहुंच जाते थे, जहां पर परिवार में से किसी की मौत हुई है।

लेकिन बीते कुछ सालों से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है, जिसके बाद से ही आत्मा लेने आने वाले लोगों को गेट पर ही रोक लिया जाता है।

सांभर महोत्सव 2025 में दो लाख से अधिक देशी विदेशी पर्यटक हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों एवं निर्देशन से साकार सांभर महोत्सव 2025 में इस बार लगभग 2 लाख से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों के आगमन ने सांभर को पर्यटन का नया डेस्टिनेशन बना दिया है। राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का यह उत्सव 24 जनवरी से 28 जनवरी (मंगलवार) तक चला। महोत्सव में आगन्तुक पर्यटकों को धार्मिक, सांस्कृतिक और रोमांचकारी पर्यटन के अनुभव हुए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का कहना है कि सांभर महोत्सव राजस्थान की कला, संस्कृति और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर लाने का एक अद्वितीय प्रयास है। यह विशिष्ट एवं अविस्मरणीय, मनमोहक लोक उत्सव ने निश्चित ही सांभर को पर्यटन के क्षेत्र में एक नये सितारे के रूप में पहचान दी है, जो कि पर्यटकों के लिए लम्बे समय तक अचंभे और आकर्षण केन्द्र बना रहेगा। सांभर महोत्सव अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक प्रमुख आकर्षण बन गया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सांभर महोत्सव 2025 24 से 28 जनवरी तक सैलानी और स्थानीय लोग सांस्कृतिक, धार्मिक और रोमांचक अनुभवों से रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि सांभर की साल्ट लेक अब प्री-वेडिंग शूट और एस्ट्रो टूरिज्म के लिए भी लोकप्रिय हो रही है। झपोक, सांभर सॉल्ट कैंपस, देवयानी तीर्थ सरोवर और मेला ग्राउंड पर इस महोत्सव के दौरान कई भव्य आयोजन हुए, जिसमें पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोग उमंग और उत्साह के साथ शामिल हुए।

पूर्व विधायक फुलेरा विधानसभा निर्मल कुमावत और अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा ने गुब्बारे उड़ाकर 24 जनवरी को सांभर महोत्सव 2025 की विधिवत शुभारम्भ किया गया। जिसमें संध्या के समय देवयानी तीर्थ सरोवर पर दीपोत्सव और महाआरती की गई। महोत्सव में सैलानी और स्थानीय लोग सांस्कृतिक, धार्मिक और रोमांच के अनुभवों से रूबरू हुए। इस दौरान राजस्थानी कला एवं शिल्प स्टॉल और फोटोग्राफी का प्रदर्शन हुआ। विभिन्न डिज़ाइन और रंगों की फैंसी पतंगें आकाश में उड़ाई गई। पैरा सेलिंग, पैरा मोटरिंग, पैरा ग्लाइडिंग, जीप सफारी और एटीवी राइड्स जैसी रोमांचक गतिविधियां आयोजित हुई। प्रकृति प्रेमियों के लिए पक्षी अवलोकन और साल्ट लेक भ्रमण का अनुभव अद्वितीय रहा। दीपोत्सव और महाआरती ने सांस्कृतिक संध्या को और खास बनाया। लोक कलाकारों की मनमोहक स्ट्रीट परफॉर्मेंस ने पर्यटकों को लुभाया। सांभर टाउन हेरिटेज वॉक, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं जैसी विशेष गतिविधियां आयोजित हुई। घुड़सवारी, ऊँट सवारी और ऊँट गाड़ी की सवारी ने भी पर्यटकों को खासा आकर्षित किया। सितारों का अवलोकन और एस्ट्रो टूरिज्म के लिए पर्यटकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पर्यटकों को नमक प्रसंस्करण टूर ने भी लुभाया।

वनपाल एवं वनरक्षक दस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को जयपुर जिले में रेन्ज नाहरगढ़ अभ्यारण्य के वन नाका चिमनपुरा के वनपाल रतिपाल सिंह और वनरक्षक ओमप्रकाश मिठारवाल को दस हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी. स्पेशल इन्वेस्टीगेशन विंग जयपुर को एक शिकायत मिली कि परिवादी की दो दुकानों के निमार्ण कार्य में रूकावट नहीं डालने की एवज में दस हजार रुपए रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है।

मेहरड़ा ने बताया कि इस पर एसीबी टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी रतिपाल सिंह एवं ओमप्रकाश मिठारवाल को दस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपियों से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

कोचिंग सेंटर के नियमन के लिए कानून बनाने को बिल लाएगी सरकार

जयपुर, । राज्य सरकार कोचिंग सेंटर के नियमन के कानून बनाएगी और इसके लिए आगामी विधानसभा सत्र में बिल पेश किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 10 फरवरी को तक टाल दी है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस वीके भारवानी की बैंच ने यह आदेश कोचिंग विद्यार्थियों की ओर से आए दिन आत्महत्या की घटनाओं पर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर दिए।

महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार कोचिंग सेंटर के संचालन के लिए कानून बनाने जा रही है। इसके लिए काम हो रहा है और संभावना है कि आगामी विधानसभा सत्र में इस संबंध में बिल पेश कर दिया जाए। महाधिवक्ता के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई 10 फरवरी तक टाल दी।

सूर्य सप्तमी पर सूर्य नमस्कार में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित करें : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग गत वर्ष की भांति इस बार भी सूर्य नमस्कार में नया विश्व रिकॉर्ड रचने की तैयारी कर रहा है। सूर्य सप्तमी के अवसर पर प्रदेश के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में एक साथ 3 फरवरी, 2025 को सूर्य नमस्कार किया जाएगा। इस दौरान गत वर्ष 78,974 स्कूलों में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों द्वारा सूर्य नमस्कार में बने विश्व रिकॉर्ड को ब्रेक करने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षा संकुल में हुई एक बैठक में शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने वीसी के जरिए जिला एवं ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय परंपरा से जुड़ा एक अहम हिस्सा है। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन-मष्तिष्क भी शांत रहता है। मैं सूर्य नमस्कार में एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए आमजन को भी आयोजन का हिस्सा बनाने की अपील की। राज्य के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय शिक्षा संस्थानों में एक साथ एक समय पर सूर्य नमस्कार का आयोजन 3 फरवरी, 2025 को सुबह सवा दस बजे किया जाएगा। 20 मिनट के इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों, एसएमसी/एसडीएमसी सदस्यों एवं आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चत की जाएगी और कार्यक्रम की फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी करके उसकी रिपोर्ट लेना सुनिश्चत की जाएगी।

इस आयोजन का संपूर्ण डेटा शाला दर्पण एवं पीएसपी पोर्टल पर दोपहर दो बजे तक अपलोड किया जाएगा।

सभी राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में आयोजन से पूर्व सूर्य नमस्कार अभ्यास कराने के निर्देश दिए जा चुके हैं। बीमार एवं शल्य प्रक्रिया से गुजरे बच्चे इसका हिस्सा नहीं होंगे लेकिन कक्षा एक से कक्षा 5 तक के बच्चों को सूर्य नमस्कार की कुछ एक क्रियाओं में भागीदार अवश्य बनेंगे।

क्रीड़ा भारती संस्था सूर्य नमस्कार में सभी शिक्षा संस्थाओं का सहयोग करेगी। संस्था से जुड़े एक्सपर्ट विद्यालयों में जाकर न केवल सूर्य नमस्कार का महत्व बताएंगे, साथ ही नमस्कारासन, हस्तोत्तानासन सहित योग की सभी क्रियाओं को लाइव करके समझाएंगे ताकि प्रतिदिन विद्यालयों में प्रार्थना सभा के समय इसका अभ्यास कराया जा सके और सूर्य सप्तमी को एक साथ राज्यभर में सूर्य नमस्कार की निर्धारित 10 योग क्रियाओं को किया जा सके। योग में एक्सपर्ट्स एवं कई एनजीओ भी विद्यालयों में सहयोग करेंगे। शिक्षा मंत्री स्वयं भी इस विशेष कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। इस दौरान निदेशक माध्यमिक शिक्षा श्री आशीष मोदी, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा श्री सीताराम जाट, आयुक्त संस्कृत शिक्षा सुश्री प्रियंका जोधावत, क्रीड़ा भारती के श्री मेध सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चार बच्चों की विधवा मां को स्कूल लैक्चरर पद पर नियुक्ति के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चार बच्चों की एससी वर्ग की विधवा मां तत्काल स्कूल लैक्चरर पद पर नियुक्ति देने के आदेश दिए है। कोर्ट ने यह आदेश याचिकाकर्ता विधवा की आर्थिक व सामाजिक हालात को देखते हुए संविधान के अनुच्छेद226 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिए है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश मामले की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए दिया है और भविष्य में इस आदेश को नजीर के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए। याचिकाकर्ता के एडवोकेट सुनील समदडिया ने अदालत को बताया कि प्रार्थिया एससी विधवा कोटे में स्कूल लैक्चरर के लिए आवेदन किया और परीक्षा मेरिट से पास की थी।

लेकिन आरपीएससी प्रार्थिया के एक जून,2002 के बाद चार जीवित बच्चे होने के कारण 11 दिसंबर,2018 के पत्र से नियुक्ति देने से इनकार कर दिया। इसे चुनौती देते हुए बताया कि यह 28 फरवरी,2011 की अधिसूचना के विपरीत है। इसके अनुसार यदि कोई बच्चा विशेष योग्यजन है तो उसे कुल बच्चों की गिनती में नहीं गिना जाएगा। प्रार्थिया का एक बेटा विशेष योग्यजन है। सरकार ने विधवा कोटे में अनुकंपा नियुक्ति के मामले में बच्चों की संख्या से छूट दे रखी है। जबकि प्रार्थिया ने तो भर्ती परीक्षा मेरिट से पास की है। ऐसे में उसे चार बच्चे होने के आधार पर नियुक्ति से वंचित करना भेदभाव है।

निगम की बैठक में दूसरे दिन भी हंगामा, पार्षदों के बीच चले लात-घूंसे, बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा की बैठक के दौरान कांग्रेस और भाजपा पार्षदों के बीच जबरदस्त हंगामा और हाथापाई हुई। दोनों दलों के पार्षदों ने एक-दूसरे पर अमर्यादित भाषा का उपयोग करने और गाली देने का आरोप लगाया है। विवाद के बाद मेयर ने सभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। बैठक के दौरान कांग्रेस पार्षद राजेश गुर्जर एक प्रस्ताव पर अपनी बात रख रहे थे। इसी बीच भाजपा के एक पार्षद ने बीच में खड़े होकर आपत्ति जताई। इसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। कांग्रेस और भाजपा के पार्षद वेल में आकर भिड़ गए।

150 सदस्यों वाले सदन में केवल 81 पार्षद मौजूद थे। मेयर सहित कांग्रेस के 20 और भाजपा के 50 पार्षद बैठक में शामिल हुए। उप महापौर पुनीत कर्णावट और कई समितियों के चेयरमैन बैठक से अनुपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा वर्किंग कमेटियों को भंग करने से जुड़ा था। यह प्रस्ताव मेयर की ओर से पेश किया गया था, जिसका उद्देश्य सरकार और संगठन पर दबाव बनाना बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद करीब 30 बार ओडिशा आ चुका हूं : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर करीब 30 बार ओडिशा का दौरा किया और राज्य के ज्यादातर जिलों में गए हैं।

मोदी ने 'उत्कर्ष ओडिशा–मेक इन ओडिशा' सम्मेलन, 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस सम्मेलन में देश–विदेश से करीब 7,500 कारोबारी प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा, ओडिशा से मेरा बहुत लगाव है। प्रधानमंत्री के तौर पर मैं करीब 30 बार ओडिशा का दौरा कर चुका हूं। स्वतंत्र भारत में मैं सबसे ज्यादा बार ओडिशा का दौरा करने वाला प्रधानमंत्री हूं। मोदी ने कहा कि ओडिशा निवेश के लिए सबसे उपयुक्त जगह है और विकसित भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी में यह राज्य का उनका दूसरा दौरा है। उन्होंने कहा कि लोगों का प्यार और स्नेह उन्हें ओडिशा खींच लाया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने एक समृद्ध राज्य बनाने का संकल्प लिया है और केंद्र सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद कर रही है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि सभी भागीदारों के निवेश से उनके व्यवसाय और राज्य की प्रगति, दोनों को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत में विशाल औद्योगिक केंद्र, बंदरगाह, व्यापार केंद्र हैं और इसमें ओडिशा की भागीदारी उल्लेखनीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा दक्षिण–पूर्वी एशियाई व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र था और इसके बंदरगाह भारत के प्रवेश द्वार थे। उन्होंने कहा कि ओडिशा में हर साल बाली यात्रा मनाई जाती है। उन्होंने हाल में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा का जिक्र भी किया। मोदी ने कहा, अभी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति आए थे, और वह तो यहां तक बोल गए कि शायद मेरे डीएनए में ओडिशा है। मंगलवार के दौरे को मिलाकर मोदी पिछले आठ महीनों में पांच बार ओडिशा आए हैं। वह पिछले साल 12 जून को मोहन चरण माझी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए थे।

ओडिशा में निवेश को सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने को तैयार: मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार निवेश प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी तरह से अतिरिक्त प्रयास करने को तैयार है।

माझी ने यह बात 'उत्कर्ष ओडिशा, मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव' में अपने स्वागत भाषण में कही। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था और इसमें 17 देशों के कई प्रतिनिधियों सहित लगभग 7,500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। देश के दो दर्जन से ज़्यादा राज्यों में निवेश आकर्षित करने की होड़ का ज़िक्र करते हुए माझी ने कहा, हम आपके (निवेशकों) जीवन को थोड़ा आसान बनाने को अतिरिक्त प्रयास करने के लिए तैयार हैं। अगर आप आधा कदम चलना चाहें तो राज्य सरकार तीन कदम चलने के लिए तैयार है।

माझी ने उद्योगपतियों को बताया कि राज्य सरकार ने ओडिशा में उद्योगों की वृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

खरगे ने पवित्र कुंभ स्नान पर टिप्पणी कर हिंदुओं की भावनाओं का अपमान किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा नेताओं के प्रयागराज में संगम पर पवित्र कुंभ स्नान को लेकर असंवेदनशील टिप्पणी कर हिंदुओं की भावनाओं का अपमान किया है।

राज्य के राजस्व मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस ने लगातार हिंदू मान्यताओं और परंपराओं का अनादर किया है। खरगे ने सोमवार को कटाक्ष किया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं में कैमरे के समक्ष डुबकी लगाने की होड़ मची है। उन्होंने सवाल किया था कि क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी समाप्त हो जाएगी?

खरगे ने मध्य प्रदेश के महू शहर में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली को संबोधित करते हुए कहा था, अगर किसी को ठेस पहुंची हो, तो मैं माफी मांगता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाकुंभ संगम स्नान के दौरान खरगे ने यह टिप्पणी की थी। बावनकुले ने अपने पोस्ट में खरगे की टिप्पणी को असंवेदनशील और अपमानजनक करार दिया।

भाजपा नेता बावनकुले ने कहा, कुंभ मेले में करोड़ों हिंदू श्रद्धा और विश्वास के साथ भाग लेते हैं। इस पवित्र आयोजन का उपहास करके खरगे ने गंगा की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का अपमान किया है।

वक्फ समिति ने हमारे संशोधनों को स्वीकार किया: जद (यू)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) ने मंगलवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने उसके द्वारा सुझाए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया है। साथ ही पार्टी ने विपक्षी दलों पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप भी लगाया।

भाजपा के सहयोगी दलों तेलुगू देशम पार्टी, जद (यू) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने सोमवार को समिति की बैठक में कुछ संशोधनों के साथ विधेयक का समर्थन किया था। पिछले साल मानसून सत्र के दौरान संसद में जब यह विधेयक पेश किया गया था तो इन तीनों दलों ने खुले मन से इसका समर्थन करने से परहेज किया था और मुस्लिम समुदाय की चिंताओं को दूर करने के लिए व्यापक विचार–विमर्श की वकालत की थी।

जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, विपक्ष को हर सवाल पर सियासत करने की आदत बन गई है। जद (यू) की ओर से जेपीसी में जो भी सुझाव रखे गए थे, उन सबको स्वीकार कर लिया गया है। जो संशोधन आएंगे, उनमें हमारे सुझाव शामिल दिखेंगे। उन्होंने कहा कि जद (यू) को जेपीसी की कार्यप्रणाली को लेकर कोई शिकायत नहीं है। जद (यू) सांसद दिलेश्वर कामैत ने विधेयक के उस खंड में संशोधन पेश किया था, जिसमें वक्फ संपत्तियों को नए कानून के लागू होने के छह महीने के भीतर पोर्टल पर विवरण के साथ सूचीबद्ध करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया है। कामैत का प्रस्ताव था कि संपत्ति के 'मुतवल्ली' (केयरटेकर) को अवधि बढ़ाने का अधिकार दिया जाए, बशर्ते कि राज्य में वक्फ ट्रिब्यूनल उससे संतुष्ट हो।

सूत्रों ने बताया कि कामैत ने भाजपा की अपराजिता सारंगी के साथ यह संशोधन पेश किया था और समिति ने बहुमत से इसका समर्थन किया।

तेदेपा सांसद लावू श्रीकृष्ण देवरायलु और भाजपा के बृजलाल द्वारा पेश किए गए चार संशोधनों को भी स्वीकार कर लिया गया।

पुलिस व्हाट्सऐप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से आरोपी को नोटिस नहीं भेज सकती: न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि पुलिस आरोपी व्यक्तियों को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के तहत व्हाट्सऐप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से नोटिस नहीं भेज सकती।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने 21 जनवरी के आदेश में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे सीआरपीसी, 1973 की धारा 41ए या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35 के तहत केवल कानून के तहत निर्धारित सेवा के माध्यम से नोटिस जारी करने के लिए पुलिस को उचित निर्देश जारी करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह बिलकुल स्पष्ट है कि व्हाट्सऐप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नोटिस जारी करने को सीआरपीसी, 1973/बीएनएसएस, 2023 के तहत मान्यता प्राप्त और निर्धारित सेवा के तरीके के विकल्प रूप में नहीं माना जा सकता।

यह निर्देश तब आया जब अदालत ने मामले में नियुक्त न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के सुझाव को स्वीकार कर लिया। लूथरा ने ऐसे उदाहरणों को चिह्नित किया जहां सीआरपीसी, 1973 की धारा 41–ए के तहत व्हाट्सऐप के माध्यम से नोटिस भेजा गया, लेकिन आरोपी जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए। शीर्ष अदालत ने सतेंद्र कुमार अंतिल के मामले में यह निर्देश दिया। पीठ ने सभी उच्च न्यायालयों को अपनी संबंधित समिति की बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया ताकि उसके पूर्व के और वर्तमान दोनों निर्णयों को ''सभी स्तरों पर'' मासिक आधार पर लागू किया जाना एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित हो सके।

उम्मीद है कि बजट सत्र में 125वां संविधान संशोधन लाएगा केंद्र : शर्मा

कोकराझार/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र आगामी संसद सत्र में 125वां संविधान संशोधन विधेयक पेश करेगा, जिसका उद्देश्य राज्य के बोडो बहुल क्षेत्र जैसी जनजातीय स्वायत्त परिषदों को अधिक शक्तियां प्रदान करना है।

शर्मा ने 2020 के बोडो शांति समझौते के पांच साल पूरे होने के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम से इतर प्रेस के साथ वार्ता में कहा कि उनकी सरकार इस त्रिपक्षीय समझौते के लाभों को इस तरह से ''मजबूत'' करने के लिए काम करेगी कि शांति प्रक्रिया पर असर न पड़े। मुख्यमंत्री के साथ बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो भी थे। उन्होंने कहा, एक प्रस्ताव है...हम इसे संविधान का 125वां संशोधन कहते हैं। राज्य सरकार संशोधन का समर्थन कर रही है। शर्मा ने कहा, भारत सरकार उस संवैधानिक संशोधन को लाने की प्रक्रिया में है। स्थायी समिति की चर्चा खत्म हो गई है। हमें उम्मीद है कि आने वाले बजट सत्र में हमें कुछ सकारात्मक देखने को मिलेगा।

बागपत के बड़ौत में लड्डू पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में लकड़ी का ढांचा गिरने से सात मरे, 39 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागपत (उप्र)/भाषा। बागपत जिले के बड़ौत में मंगलवार को जैन समुदाय के भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व पर मानस्तम्भ परिसर में लकड़ी का एक ढांचा गिरने से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई और 39 घायल उपचाराधीन हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी (डीएम) अस्मिता लाल ने कहा, बड़ौत में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम में लकड़ी का ढांचा गिर गया। यह कार्यक्रम पिछले 30 वर्षों से यहां आयोजित किया जा रहा था। इस बार कार्यक्रम के दौरान लकड़ी का ढांचा गिर गया और यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 20 लोगों को छुट्टी दे दी गई और बाकी का इलाज चल रहा है। बाद में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) पंकज वर्मा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि सात लोगों की मौत हो गई और 39 घायलों का उपचार चल रहा है।

घटना की जांच के विषय में पूछने पर एडीएम ने बताया कि फिलहाल राहत–बचाव का काम चल रहा है। हादसे की वजह पूछने पर उन्होंने बताया कि श्रद्धालु बड़ी संख्या में अस्थायी मंच की लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ गए और अधिक भार होने की वजह से वह टूट गया। घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय अस्पतालों में मरीजों की निरंतर निगरानी कर रहे हैं।

शिवसेना (उबाठा) तटस्थ रहेगी, उद्धव कांग्रेस या आप के लिए प्रचार नहीं करेंगे : राउत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस या आप के लिए प्रचार नहीं करेंगे क्योंकि पार्टी ने तटस्थ रुख अपनाया है। पार्टी सांसद संजय राउत ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राउत ने जोर देकर कहा कि आप और कांग्रेस, दोनों ही इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के सदस्य तथा शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के मित्र हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या ठाकरे पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों में से किसी के लिए प्रचार करेंगे, तो उन्होंने कहा, हम कहीं (प्रचार के लिए) नहीं जा रहे हैं। हम तटस्थ हैं।

दिल्ली में चुनावी मुकाबले के लिए बिसात बिछ गई है, समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को अपना समर्थन दिया है। वहीं एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन दिया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी को इतिहास पढ़ने की नसीहत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस ने झांसी की रानी का उल्लेख कर पलटवार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि पहले उन्हें इतिहास पढ़ना चाहिए और फिर राजघरानों के बारे में बयानबाजी करनी चाहिए।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सिंधिया पर पलटवार करते हुए झांसी की रानी की वीरता से संबंधित एक मशहूर कविता के एक अंश का उल्लेख करते हुए उन पर पलटवार किया और कहा कि इतिहास सिंधिया राजघराने की तरफ उंगली उठाकर रोता है।

दरअसल, राहुल गांधी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के महू में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि आजादी से पहले दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को कोई अधिकार नहीं था, उस समय केवल महाराजाओं और राजाओं को ही अधिकार प्राप्त थे। राहुल गांधी के बयान का हवाला देते हुए सिंधिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, संविधान को अपनी 'पॉकेट डायरी' समझने वाले नेता राहुल गांधी द्वारा आजादी से पूर्व भारत के राजपरिवारों की भूमिका को लेकर दिया गया बयान उनकी संकीर्ण सोच व समझ को उजागर करता है। सत्ता और कुर्सी की भूख में वह भूल गए हैं कि इन राजपरिवारों ने वर्षों पहले भारत में समानता और समावेशी विकास की नींव रखी थी। खेड़ा ने सिंधिया पर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, इतिहास आपकी ओर अंगुली उठाकर रोता है योर हाइनेस। अगर संविधान का 26 वाँ संशोधन ना हुआ होता तो आज भी भारत सरकार की तरफ़ से ग्वालियर राजघराने को करोड़ों रुपए मुफ्त में दिए जा रहे होते (सन 1950 में 25,00,000)। उन्होंने दावा किया, भारत में विलय की यह क़ीमत लेते रहे आप, सन 71 तक।

दरभंगा में स्कूल जाने के दौरान शिक्षक की गोली मारकर हत्या

दरभंगा/भाषा। बिहार के दरभंगा जिले में एक शिक्षक की मंगलवार सुबह स्कूल जाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 9.30 बजे की है तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने बताया कि कुशेश्वरस्थान थाना अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, अदलपुर के सहायक शिक्षक व कुशेश्वरस्थान नगर पंचायत के बहेड़ा गांव निवासी रामाश्रय यादव की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह घर से विद्यालय जा रहे थे और इसी बीच स्कूल से कुछ दूर दो मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात अपराधियों ने शिक्षक को गोली मार दी। एसएसपी ने कहा कि घायल शिक्षक को कुशेश्वरस्थान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शिक्षक की हत्या से अक्रोशित आसपास के ग्रामीणों एवं अन्य शिक्षकों ने प्रशासन के विरोध में नारे लगाते हुए सड़क जाम कर दी।

प. बंगाल : कोलकाता के न्यू टाउन में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 18 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पास न्यू टाउन इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग खुद को माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारी बताकर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाते थे, उन्हें तकनीकी सहायता देने की पेशकश करते थे और फिर उन्हें ठगते थे। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस की साइबर अपराध शाखा के अधिकारियों ने इको पार्क और बिधाननगर साइबर पुलिस थानों के कर्मियों के साथ मिलकर न्यू टाउन की एक इमारत में स्थित फर्जी कॉल सेंटर के दो कार्यालयों पर संयुक्त रूप से छापेमारी की।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। छापेमारी में कई दस्तावेज, 32 लैपटॉप और 41 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

पुलिस अधिकारी ने कहा, इस बात की जांच की जा रही है कि लेन–देन किस तरह किया गया, क्या क्रिप्टोकरेंसी या हवाला अथवा किसी अन्य माध्यम से किया गया।

कोलकाता : एसटीएफ ने 5 को गिरफ्तार किया, हथियार व गोला बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के सियालदह इलाके में उत्तर प्रदेश के पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार देर रात मुचिपारा थाना क्षेत्र के सुरेन्द्रनाथ महिला कॉलेज के पास से उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे शहर में अपराध को अंजाम देने के लिए आए थे। उन्होंने बताया कि इसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है। अधिकारी ने बताया कि उनके पास से दो बंदूकें और 15 गोलियां बरामद की गईं।

कोहली ने दिल्ली की कप्तानी से किया इनकार

बीसीसीआई मैच की लाइव स्ट्रीमिंग की कर रहा है तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने लंबे समय के बाद रणजी ट्रॉफी के अपने वापसी मैच में दिल्ली का नेतृत्व करने के प्रस्ताव को विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया है क्योंकि वह चाहते हैं कि मौजूदा सत्र के आखिरी मैच नियमित कप्तान आयुष बडोनी टीम का नेतृत्व करना जारी रखे।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी पिछले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ इस टीम का नेतृत्व करने के मना कर दिया था। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर 'पीटीआई' को बताया, विराट से पूछा गया था कि क्या वह कप्तानी करना चाहेंगे? उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि आयुष टीम का नेतृत्व जारी रखें।

इस बीच कोहली की मौजूदगी से प्रशंसकों की भारी दिलचस्पी को देखते हुए बीसीसीआई और घरेलू प्रसारणकर्ता 'जियोसिनेमा' ने मैच को लाइव–स्ट्रीम करने का फैसला किया है। बीसीसीआई आम तौर पर सभी बड़े केंद्रों पर एक मैच का टीवी के लिए सीधा प्रसारण के साथ स्ट्रीमिंग करता है और इस दौर में कर्नाटक और हरियाणा के बीच चिन्नास्वामी स्टेडियम पर होने वाले मैच का टीवी के लिए सीधा प्रसारण पहले से तय है। इस मैच में भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल कर्नाटक के लिए मैदान पर उतरेंगे। दो और मैचों की स्ट्रीमिंग होगी जिसमें ईडन गार्डंस पर बंगाल और पंजाब के बीच होने वाला मैच शामिल है। मैचों के प्रसारण का रोस्टर महीनों पहले बन जाता है और अगर इस मैच में कोहली की मौजूदगी नहीं होती तो इसकी स्ट्रीमिंग नहीं होती।

रणजी के इस चरण के सबसे हाई प्रोफाइल मैच को प्रसारकों द्वारा नजरअंदाज किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा मचने के बाद चीजें बदल गई है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, एक निर्णय लिया गया है और जियोसिनेमा इस मैच को लाइव स्ट्रीम करेगा। इसलिए जो भी विराट कोहली के प्रशंसक दिल्ली में नहीं हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। वे अपने पसंदीदा खिलाड़ी को लाइव देख सकते हैं।

बलिया में बड़ौदा बैंक की शाखा से 21 लाख रुपए की चोरी

बलिया (उप्र)/भाषा। जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के संवरा गांव में स्थित बड़ौदा यूपी बैंक की शाखा में 21 लाख रुपए की चोरी हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बलिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि आज सुबह 'डायल 112' के माध्यम से यह सूचना मिली कि थाना रसड़ा क्षेत्र अंतर्गत बड़ौदा यूपी बैंक की शाखा संवरा में 21 लाख रुपए की चोरी हो गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद यह पाया गया कि बैंक की शाखा में किसी ने जबरन प्रवेश नहीं किया है। उनके मुताबिक, शाखा प्रबंधक ने बताया कि उनके 'कैश चेस्ट' में जो पैसा था, वह गायब है। सिंह ने बताया कि 'कैश चेस्ट' की दो चाभियां होती हैं और जब तक दोनों चाभियां ना लगे तब तक इसका ताला नहीं खुल सकता है।

जसप्रीत बुमराह आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार के लिए चुना गया जिन्होंने वर्ष 2024 में हर प्रारूप में कौशल, निरंतरता और सटीक प्रदर्शन में उत्कृष्टता की मिसाल कायम की।

31 वर्ष के बुमराह को सोमवार को आईसीसी का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया और उन्हें वर्ष की टेस्ट टीम में भी जगह मिली।

आईसीसी ने कहा, जसप्रीत बुमराह को आईसीसी पुरस्कारों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार के लिए चुना गया। वर्ष 2024 में उन्होंने टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारूप में विरोधी टीमों पर दबाव बनाए रखा।

बुमराह से पहले भारत से राहुल द्रविड़ (2004), सचिन तेंदुलकर (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2017 और 2018) को यह पुरस्कार मिल चुका है।

आईसीसी ने कहा, बुमराह के कौशल की झलक आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में मिलती है जिसमें उन्होंने 900 अंक का आंकड़ा पार किया और साल के आखिर में उनके नाम 907 अंक रहे जो रैंकिंग के इतिहास में किसी भी भारतीय गेंदबाज के लिए सर्वोच्च हैं।

सुविचार

समय अच्छा हो तो आपकी गलती भी मजाक लगती है, समय खराब हो तो मजाक भी गलती बन जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जड़ों से जुड़ाव

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोओ सुबिअंतो ने अपने डीएनए और संस्कृत भाषा के बारे में जो टिप्पणी की, वह ऐसा खुला सच है, जिसे स्वीकार करने से कई लोग हिचकते हैं। सुबिअंतो ने भारत के साथ अपने संबंधों को जिस तरह बयान किया, वह प्रशंसनीय है। अगर इस हकीकत को हमारे पड़ोस में कुछ देश स्वीकार कर लें तो कई झगड़े ही मिट जाएं। सुबिअंतो के शब्दों में– 'कुछ हफ़्ते पहले मैंने जेनेटिक सिक्वेंसिंग टेस्ट और डीएनए टेस्ट कराया था। उन्होंने मुझे बताया कि मेरा भारतीय डीएनए है। हर कोई जानता है कि मैं जब भी भारतीय संगीत सुनता हूं तो थिरकना शुरू कर देता हूं। यह ज़रूर उसी वजह से होगा।' यह सच है कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध सदियों पुराने हैं। वहां किसी कालखंड में लोगों ने अपनी आस्था बदली, पूजन पद्धति बदली, लेकिन अपनी जड़ों को नहीं भूले। इंडोनेशिया में हर साल रामलीला का धूमधाम से आयोजन किया जाता है। वहां लोगों से लेकर सार्वजनिक स्थानों और महत्त्वपूर्ण संस्थानों के नामों में संस्कृत की झलक मिलती है। वहां 87 प्रतिशत से ज्यादा आबादी इस्लाम धर्म का पालन करती है और हिंदुओं की आबादी लगभग 1.7 प्रतिशत है। उनकी मुद्रा पर गरुड़, गणेशजी, परंपरागत पहनावे और प्राचीन मंदिरों के चित्र देखे जा सकते हैं। 'गरुड़ा इंडोनेशिया' उसकी एयरलाइंस में विशेष स्थान रखती है। इंडोनेशिया की अंतरराष्ट्रीय छवि भी बहुत अच्छी है। इस देश के नेताओं की दूरदर्शिता सराहनीय है, जिन्होंने अपनी आस्था का पालन जरूर किया, लेकिन अपने पूर्वजों और उनसे जुड़ी पहचान को नकारने में ऊर्जा नहीं लगाई। अन्यथा उनकी हालत भी पाकिस्तान जैसी होती।

प्राबोओ सुबिअंतो की टिप्पणी से सहज ही समझा जा सकता है कि जो लोग अपनी वंशानुगत पहचान और भाषा संबंधी मामलों में उदार होते हैं, उनके लिए दूसरों के साथ घुलना-मिलना और प्रगति करना ज्यादा आसान होता है। उन्हें सबमें अपने मित्र नजर आते हैं। आज कट्टरपंथ पूरी दुनिया के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। पूरा यूरोप पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, इराक, सीरिया जैसे देशों से आए कट्टरपंथियों से त्रस्त है। इन देशों में भारी अशांति है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में कट्टरपंथ भारत के लिए भी खतरा है। अगर इन देशों का इतिहास पढ़ें तो पता चलता है कि कभी उन इलाकों में बहुत शांति होती थी। अफगानिस्तान में बड़े-बड़े ध्यान केंद्र थे, जहां दूर-दूर से लोग आते और ध्यान का अभ्यास करते थे। वहां खुदाई में प्राचीन बौद्ध मंदिरों और प्रतिमाओं के अवशेष निकलते हैं। ऐसे कई स्थानों को आतंकवादियों ने बम से ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान और बांग्लादेश (तब पूर्वी पाकिस्तान) सात दशक पहले भारत के अभिन्न अंग थे। ये दोनों ही इलाके बहुत समृद्ध थे। यहां विभिन्न कलाएं विकसित हुईं। इनके कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों की विदेशों में बड़ी धाक थी। आज हालात बिल्कुल उलट हैं। इन दोनों देशों में हाहाकार मचा हुआ है। दंगा-फसाद, बम धमाके, आगजनी जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। महंगाई आसमान छू रही है और जनता पेट भरने के लिए खासी मशक्कत कर रही है। पाकिस्तान में कट्टरपंथ और आतंकवाद की जो फसल आज 'लहलहा' रही है, उसमें सबसे बड़ा किरदार जनरल ज़िया-उल हक़ का है। किसने सोचा था कि भारत से नफरत करते-करते पाकिस्तान इतनी दूर चला जाएगा कि उसके लोग भ्रमित होकर एक-दूसरे को ही तबाह करने को आमादा हो जाएंगे! बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस को इससे सबक लेना चाहिए, जो इन दिनों अपनी सांस्कृतिक पहचान की उपेक्षा करते हुए पाकिस्तान के साथ कुछ ज्यादा ही नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। जो कट्टरपंथ के वशीभूत होकर अपनी असल पहचान भूल जाता है, वह किसी मंजिल तक नहीं पहुंच पाता, बल्कि मंझधार में गोते खाता रहता है।

ट्वीटर टॉक

राजकीय आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में देवतुल्य जनता से आत्मीय भेंट हुआ। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-मदन दिलावर

कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर के वीडियो में 'मंत्री को बोरे भरकर रुपए भेजने' की बात कही गई थी। भाजपा सरकार में राजस्व बढ़ाने के नाम पर जगह-जगह 'अवैध वसूली' के चेक पोस्ट खुले हैं। मुख्यमंत्री की नाक के नीचे खुलेआम लूट मची है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

आज संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में 'पंजाब केसरी' श्री लाला लाजपत राय जी की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। लाला जी आजीवन मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध रहे, और राष्ट्र के लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया था।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

उदारता व महानता

समर्थ गुरु रामदास एक दिन भिक्षा मांगते हुए एक मकान के सामने पहुंचे। उन्होंने आवाज लगाई, 'मां, भिक्षा के रूप में एक रोटी चाहिए, जय-जय, रघुवीर!' गृहिणी भोजन बनाने के लिए रसोई में सफाई कर रही थी। वह प्राय: साधु-महात्माओं को देखते ही चिढ़ जाती थी। उस दिन क्रोध में भरकर वह बाहर आई तथा चूल्हा लीपने का मिट्टी में सना कपड़ा स्वामी जी के शरीर पर फेंक कर बोली, 'यह ले भिक्षा।' वह बड़बड़ाने लगी, 'काम कुछ करते नहीं, मुफ्त का भोजन मांगने आ जाते हैं।' समर्थ तनिक भी विचलित नहीं हुए तथा हंसते हुए बोले, 'बेटी, तेरा सुहाग यशस्वी हो। तेरा यह कपड़ा बड़ा काम आएगा।' समर्थ ने उस कपड़े को धोया, सुखाया। उस कपड़े को टुकड़े-टुकड़े कर बत्तियां बनाईं। उन बत्तियों से दीपक जलाया, आरती की। आरती के बाद दीपकों को गली में रख दिया, ताकि आने-जाने वालों को रास्ता दिखाई दे। गृहिणी पर संत के व्यवहार का असर पड़ा। वह क्षमा मांगने मठ में पहुंची। स्वामी जी ने मुस्कुराकर उसका स्वागत करते हुए कहा, 'बेटी, तेरे द्वारा भिक्षा में दिया कपड़ा जहां भगवान की आरती के दीये की बत्ती बना, वहीं गली के अंधकार को भी दूर कर रहा है।' गृहिणी समर्थ स्वामी की उदारता व महानता के समक्ष नतमस्तक थी।

सामयिक

गांधीजी द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के सिद्धान्त, उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि आज भी बच्चे, समाज एवं विद्यालय के लिए उतने हीं प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। उनकी महत्वपूर्ण कृति बुनियादी शिक्षा बच्चों को चाहे वे नगरों के हों या ग्रामों के, वे जीवनोपयोगी, समस्त सर्वोत्तम एवं स्थायी बातों से संबंध रखती हैं तथा उन्हें स्वाबलम्बी बनाने में मददगार सिद्ध हुई है। उनकी शिक्षा केवल मानसिक विकास की ओर ध्यान नहीं देती बल्कि शारीरिक, मानसिक, नैतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए भी उपयोगी हैं।

गांधीजी का शिक्षादर्शन

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सेनानियों ने भारतवर्ष में स्वराज की कल्पना की थी। स्वराज से उनका तात्पर्य भारतवर्ष से अंग्रेजों को बाहर कर भारतीयों को लाना भर नहीं था, बल्कि ब्रिटीश राज में थोपे गए मूल्यों एवं जीवन शैली को सरल, आध्यात्मिक एवं सामुदायिक जीवन शैली में बदलते हुए सम्पूर्ण ग्रामीण गणतंत्र की स्थापना करना था। एक सभ्य एवं स्वतंत्र भारत की अपनी दृष्टि एवं मूल्यों के चलते गांधी जी को शिक्षा के बारे में दृढ़ विचार थे और विकल्प के रूप में उन्होंने बुनियादी शिक्षा की नींव डाली। सम्पूर्ण शिक्षा का संबंध आधारभूत शिल्प से होता है। गांधीजी ने बुनियादी शिक्षा के पाठ्यक्रम के अंतर्गत जिन आधारभूत शिल्पों को रखा, उनमें कृषि, कताई-बुनाई, मिट्टी, चमड़े, लकड़ी का काम, फल एवं बागवानी, पुस्तक कला, मछलीपालन, बालिकाओं के लिए गृहविज्ञान तथा स्थानीय एवं भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुकूल शिक्षाप्रद हस्तशिल्प प्रमुख हैं। इसके अलावा मातृभाषा, गणित, सामाजिक अध्ययन, सामान्य विज्ञान, कला, हिन्दी, शारीरिक शिक्षा आदि भी समाहित किए गए।

गांधीजी के अनुसार शिक्षण विधि व्यवहारिक होनी चाहिए। उन्होंने बुनियादी शिक्षा में समवाय पद्धति का उपयोग किया जिसके अंतर्गत बच्चों को समस्त विषयों की शिक्षा किसी कार्य या आधारभूत शिल्प के माध्यम से कार्य करके, अनुभव द्वारा एवं क्रिया के माध्यम से सीखने पर बल दिया। गांधीजी की शिक्षा योजना में दैनिक पाठ्यक्रम के संदर्भ में स्वायत्तता का जो अधिकार एक शिक्षक को दिया गया वह टॉल्सटाय के लिबर्टेरियन सिद्धांतों से बहुत समानता रखता था। गांधी भारतीय शिक्षकों को बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रखना चाहते थे, खासतौर से सरकार और राजकीय नौकरशाही से। औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत शिक्षक के पास एक निश्चित काम था जो इस बात पर आधारित था कि शासन बच्चों को क्या सिखाना चाहता है। पाठ्यपुस्तकें अनिवार्य थीं इसलिए गांधी ने पाया कि शिक्षक के जीवित शब्द बच्चों के लिए खास मायने नहीं रखते।

एक शिक्षक जो पाठ्यपुस्तक को पढ़ाता है वह बच्चों को मौलिक ज्ञान नहीं दे पाता है। गांधीजी की योजना पुस्तकों और पाठ्यक्रम के समक्ष शिक्षक की कमजोर स्थिति को समाप्त करना चाहती थी। यह सीखने की ऐसी अवधारणा को प्रस्तुत करती थी जो केवल पाठ्यपुस्तकों की मदद से हीं लागू नहीं की जा सकती थी। पाठ्यक्रम के मामले में शिक्षक की स्वतंत्रता, अगर ज्यादा नहीं तो बराबर महत्व रखती थी। उसमें राज्य को यह तय करने का अधिकार नहीं था कि शिक्षक कक्षा में क्या पढ़ाये और क्या करे। इसमे शिक्षक को अधिकार थे, मगर मूलतः यह स्कूली शिक्षा के प्रति एक लिबर्टेरियन नजरिया था जिसमें शक्ति राज्य से गांवों को सौंपी गयी थी।

सर्वप्रथम गांधीजी ने भारतीय जीवन एवं संस्कृति को दृष्टिपथ में रखते हुए वातावरण के अनुसार ऐसी शिक्षा योजना प्रस्तुत की जिसे कार्यरूप में परिणत करने पर भारतीय जनमानस में नया जीवन लाया जा सकता है। उनके शिक्षा दर्शन में तीनों विचारधाराओं – आदर्शवाद, प्रयोजनवाद एवं प्रकृतिवाद में कोई विशेष अंतर नहीं था। वे आदर्शवादी थे क्योंकि वे इस मानवजीवन के अंतिम लक्ष्य सत्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देते हैं। वे प्रयोजनवादी थे क्योंकि वे बच्चों की अभिरूचि के अनुसार क्रिया करके सीखने पर बल देते हैं। वे प्रकृतिवादी थे क्योंकि वे बच्चों को उनकी प्रकृति के अनुरूप विकसित करना चाहते थे। गांधीजी द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के सिद्धान्त के अनुरूप हीं 1 अप्रैल 2010 को पूरे भारतवर्ष में बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा कानून लागू किया जा चुका है जिसके अनुसार 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जबावदेही हो गयी है। कानून में एक विद्यालय हेतु निर्धारित न्यूनतम मानकों एवं मानदंडों में कक्षा-6 से 8 के बच्चों हेतु तीन विषयों क्रमशः कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा कला शिक्षा की व्यवस्था तथा उनके लिए अनुदेशक का प्रावधान किया गया है।

शिक्षा के दोषपूर्ण ढांचे के कारण आज युवाओं के हाथों में बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, पर रोजगार नहीं है। गांधीजी ने इस समस्या से बहुत पहले सावधान कर दिया था और बुनियादी शिक्षा के अंतर्गत उद्योगों पर आधारित औद्योगिक शिक्षा पर बल दिया ताकि बच्चे किसी हस्तशिल्प को सीखकर अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन सकें और बेरोजगारी से मुक्ति पा सकें। वर्तमान में कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्तर पर व्यवहारिक एवं व्यवसायिक शिक्षा के उद्देश्य से फाउन्डेशन कोर्स का बड़ी तेजी से विस्तार हो रहा है तथा इस ओर छात्रों का रुझान बढ़ता जा रहा है। खुला विश्वविद्यालय एवं मुक्त शिक्षण संस्थानों की स्थापना के उपरान्त मनोनुकूल अवधि वाले व्यवसायिक एवं कौशलवर्द्धन शिक्षण-प्रशिक्षण की मांग जोर पकड़ते जा रही है।

गांधीजी बच्चों में मानवीय गुणों के विकास पर बल देते थे जिसकी आज कहीं अधिक प्रासंगिकता है। आज देश के विभिन्न भागों में कट्टरता, क्षेत्रीयता, विनाश एवं तबाही का विष फैल रहा है वह नागरिकों में मानवता की कमी के कारण बढ़ती जा रही है। उन्होंने करके या क्रिया द्वारा सीखने की पद्धति पर बल दिया क्योंकि क्रिया या स्वयं करके सीखने पर अर्जित ज्ञान स्थायी होता है जो हर क्षेत्र के लिए आवश्यक है। उन्होंने शारीरिक श्रम को महत्व दिया। मनुष्य को किसी पर निर्भर नहीं रहते हुए अपना कार्य स्वयं करना चाहिए। इससे भेदभाव भी मिटता है, जो आज के परिपेक्ष्य में भी आवश्यक है। जो लोग काम का आदर करेंगे वहीं उत्पादक कार्य से जुड़ सकते हैं।

गांधीजी ने आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक शिक्षा के उद्देश्य से सर्वोदय समाज की स्थापना पर बल दिया जिसके अंतर्गत श्रम का महत्व होगा धन का नहीं, स्नेह एवं सहयोग की भावनाएं होंगी घृणा एवं पृथकता की नहीं, शोषण के स्थान पर परहित की सोच होगी तथा संचय की प्रवृति के स्थान पर त्याग की भावना होगी। वर्तमान में भ्रष्टाचार, शोषण, घृणा, स्वार्थसिद्धी जैसी कुधारणा के कारण समाज में मारकाट, विनाश तथा मानवता का हनन हो रहा है। अतएव गांधीजी के सर्वोदय समाज की स्थापना आज और अधिक प्रासंगिक प्रतीत हो रही है।

गांधीजी द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के सिद्धान्त, उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि आज भी बच्चे, समाज एवं विद्यालय के लिए उतने हीं प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। उनकी महत्वपूर्ण कृति बुनियादी शिक्षा बच्चों को चाहे वे नगरों के हों या ग्रामों के, वे जीवनोपयोगी, समस्त सर्वोत्तम एवं स्थायी बातों से संबंध रखती हैं तथा उन्हें स्वाबलम्बी बनाने में मददगार सिद्ध हुई है। उनकी शिक्षा केवल मानसिक विकास की ओर ध्यान नहीं देती बल्कि शारीरिक, मानसिक, नैतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए भी उपयोगी हैं। आज वैश्वीकरण के दौर में हुए परिवर्तनों के अनुरूप गांधीजी के शिक्षादर्शन को परिष्कृत करते हुए देश में पुनः स्थापित करके हीं वास्तविक स्वराज की कल्पना की जा सकती है।

नजरिया

लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक स्वीकृति नहीं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

पाश्चात्य कल्चर को फॉलो करते हुए भारत में भी लिव-इन रिलेशनशिप आम हो गया है महानगरों में कई लोग शादी से पहले लिव-इन में रहते हैं। बड़े शहरों में लिव इन रिलेशन का कॉन्सेप्ट युवाओं को बहुत भा रहा है, मगर ऐसे रिश्तों का अंत सुखद ही हो जरूरी नहीं है। पाश्चात्य देशों की नकल पर बना एक विवादास्पद लेकिन आधुनिक लाइफ जीने के लिए यह एक अनूठा और दिलचस्प रिश्ता है जिसमें शादी की पुरानी मान्यता को दरकिनार करते हुए जोड़े साथ रहते है।

लिव-इन रिलेशन जायज है या नाजायज इस पर लंबे समय से बहस चल रही है। मीडिया में आये दिन छप रही ख़बरों के बीच उत्तराखंड में सामान नागरिक संहिता यानि यूसीसी लागू कर दिया गया है। यूसीसी के लागू होते ही उत्तराखंड में अब से लिव-इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। नए कानून में अनिवार्य किया गया है कि सभी लिव-इन रिलेशनशिप को अधिकारियों के पास पंजीकृत होना चाहिए। 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक होगी। कानून के जानकारों का दावा है कि ऐसे रिश्तों के पंजीकरण से पुरुषों और महिलाओं दोनों को फायदा होगा। इसके तहत प्रावधान है कि इस दौरान पैदा होने वाले बच्चे को भी शादीशुदा जोड़े के बच्चे की तरह अधिकार मिलेगा। हालांकि यूसीसी के नियम-कानून से अनुसूचित जनजाति को बाहर रखा गया है। लिव इन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्य पंजीकरण एक रजिस्टर्ड वेब पोर्टल पर कराना होगा। लिव इन में आने के एक माह के भीतर अगर पंजीकरण नहीं कराया तो न्यायिक मजिस्ट्रेट के दोषी ठहराए जाने पर तीन माह का कारावास व 10 हजार का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

लिव इन रिलेशन को लेकर मीडिया में तरह तरह की खबरे छपती रहती है। कई प्रकरणों में तो न्यायालय ने भी अपनी राय व्यक्त की है। कई साल लिव इन में रहने के बाद कोर्ट का दरवाज़ा भी खटखटाया जा रहा है। कहीं लड़की द्वारा लड़के पर रेप के आरोप भी लगाए जा रहे है। एक मामले में तो कोर्ट ने लिव इन में रहने वाली एक लड़की द्वारा दर्ज़ रेप के आरोपों को ख़ारिज कर दिया और कहा कई साल साथ रहने के बाद इस प्रकार के आरोपों में कोई दम नहीं है। लिव इन में रहते हुए विवाद होने पर कई दफा बलात्कार जैसे गंभीर आरोप भी लगा दिए जाते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रिश्तों को सामाजिक स्वीकृति नहीं है, लेकिन आज के युवा तेजी से इनकी ओर आकर्षित हो रहे हैं।

लिव इन रिलेशनशिप का मतलब है जहां एक लड़का और लड़की बिना शादी के एक-दूसरे के साथ एक ही घर में रहते हैं। दोनों बिना शादी के किसी पति-पत्नी के तरह ही रहते हों। इस मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों से देश में बहस भी छिड़ी हुई है।

कुछ लोग इसे जायज कहते हैं, तो कुछ इसे नाजायज। लिव-इन रिलेशनशिप का चलन भले ही शुरू हो चुका है। लेकिन भारत जैसे देश में लिव-इन रिलेशनशिप को अभी अच्छी नजर से नहीं देखा जाता हैं। हम खुद को कितना ही आधुनिक समझे मगर आज भी हमारे देश में लिव-इन रिलेशनशिप को बुरी नजर से देखा जाता हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, दो बालिग लड़का व लड़की शादी किए बगैर भी अपनी मर्जी से पारिवारिक-वैवाहिक जीवन जी सकते हैं। लिव इन रिश्ते की कानूनी मान्यता के अनुसार दोनों पार्टनर के बीच यौन संबंध की पूरी आजादी है। अगर रिश्ते में रहने के दौरान बच्चा पैदा होता है, तो रिश्ते को लिव इन माना जाएगा। यौन संबंध बनाने और बच्चे पैदा करना दोनों की इच्छा पर निर्भर करता है। लिव इन विवादों से भरा एक अनूठा रिश्ता है जिसमे शादी की पुरानी मान्यता को दरकिनार करते हुए जोड़े साथ रहते है और ठीक उसी तरह से अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे के लिए निभाते है।

पाश्चात्य कल्चर को फॉलो करते हुए भारत में भी लिव-इन रिलेशनशिप आम हो गया है महानगरों में कई लोग शादी से पहले लिव-इन में रहते हैं। बड़े शहरों में लिव इन रिलेशन का कॉन्सेप्ट युवाओं को बहुत भा रहा है, मगर ऐसे रिश्तों का अंत सुखद ही हो जरूरी नहीं है। पाश्चात्य देशों की नकल पर बना एक विवादास्पद लेकिन आधुनिक लाइफ जीने के लिए यह एक अनूठा और दिलचस्प रिश्ता है जिसमें शादी की पुरानी मान्यता को दरकिनार करते हुए जोड़े साथ रहते है।

लिव-इन रिलेशनशिप की शुरुआत महानगरों के शिक्षित और आर्थिक तौर पर स्वतंत्र ऐसे लोगों ने की थी जो विवाह संस्था की जकड़ से छुटकारा चाहते थे और उसी तरह से अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे के लिए निभाते है जैसे वो शादी करने के बाद करते। इन संबंधों में खास बात यह है की वे किसी नैतिक दवाब का सामना नहीं करते। ऐसे लोग जब चाहे तभी एक दुसरे से अलग हो सकते है। लिविंग रिलेशन में रह रहे लड़के-लड़कियां अपने मां-बाप या घरवालों से अपने रिश्ते को छुपाकर रखते हैं। जब रिश्ता बिगाड़ की श्रेणी में आ जाता है तब इसका भांडा फूटता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मौनी अमावस्या स्नान पर्व से पहले ही प्रयागराज में श्रद्धालुओं का सैलाब

महाकुंभनगर/दक्षिण भारत । महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी में डुबकी लगाने के लिये देश विदेश के कोने कोने से आ रहे श्रद्धालुओं की भीड़ से प्रयागराज की सड़कें पट गयी हैं। मेला प्रशासन ने बुधवार को मौनी अमावस्या पर आठ से दस करोड़ लोगों के संगम में स्नान का अनुमान जताया है। मौनी अमावस्या पर स्नान ध्यान का क्रम रात 12 बजे से ही शुरु हो जायेगा,वैसे महाकुंभ क्षेत्र में पहले से ही रात दिन श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने जनसैलाब के मद्देनजर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये हैं। एंबुलेंस और पुलिस वाहन के अलावा सभी प्रकार के वाहनों को मेला क्षेत्र के लिये प्रतिबंधित कर दिया गया है। शहर के सभी स्कूल कालेज मौनी अमावस्या के दिन बंद रहेंगे। मौनी अमावस्या के दिन भोर से ही 13 अखाड़ों के साधु संतों के स्नान का क्रम शुरु होगा जो कि देर दोपहर तक जारी रहेगा। इस विहंगम दृश्य के साक्षी बनने के लिये हर श्रद्धालु जिज्ञासु है। श्रद्धालुओं पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की जायेगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पिछले 17 दिनों में महाकुंभ में 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं जो कि अब तक का एक रिकार्ड है। मौनी अमावस्या पर 8 से 10 करोड़ लोगों के आगमन का अनुमान है। महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। महाकुम्भ में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं और चप्पे चप्पे पर पुलिस की निगरानी है।

पांटून पुल बंद किए जाने से महाकुंभ मेले में श्रद्धालु परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। महाकुंभ मेले में विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) के आगमन के बीच ज्यादातर पांटून पुल बंद किए जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि वीआईपी व्यक्तियों को सुविधाएं दिए जाने के कारण पूरा मेला खराब हो रहा है तथा पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी और मेला अधिकारी वीआईपी व्यक्तियों की आवभगत में आम श्रद्धालुओं की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वीआईपी के लिए बैरिकेड हटाकर उनके लिए रास्ता खाली कराया जा रहा, लेकिन आम श्रद्धालुओं को 15-20 किलोमीटर पैदल आना पड़ रहा है। उसमें भी पांटून पुल बंद करके उन्हें परेशान किया जा रहा।

बरेली से आईं सुमन कुमारी ने कहा कि कल से ज्यादातर पांटून के पुल बंद हैं और पुलिस कर्मी उन्हें इधर से उधर घुमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में गंगा नदी पार करके जाने का यही पांटून का पुल एक माध्यम है। बिजनौर से महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर स्नान करने आईं पुष्पा देवी ने कहा कि मेला क्षेत्र में 30 पांटून पुल बनाए गए हैं और वह सुबह चार बजे से यहां घूम रही हैं और उनकी गाड़ी 15 किलोमीटर दूर पार्क कराई गई है जहां से वह पैदल आई हैं। उन्होंने पूछा, आखिर वीआईपी इन पुलों से क्यों जा रहे हैं? क्या हम इंसान नहीं हैं।

मेले में आए पेशे से डॉक्टर प्रत्यूष कुमार ने कहा कि पुलिस कर्मी किसी की नहीं सुन रहे हैं और किन लोगों के लिए सरकार ने यह पुल बनवाया है।

मेलाधिकारी विजय किरण आनंद और पुलिस अधीक्षक (यातायात) अंशुमान मिश्रा से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह उपलब्ध नहीं हुए। मेला प्रशासन ने मौनी अमावस्या पर करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ आने की संभावना को देखते हुए मेला क्षेत्र को 'नो व्हीकल' (वाहन निषेध) जोन घोषित कर दिया है और वीआईपी, पुलिस प्रशासन, दमकल और एंबुलेंस की गाड़ियों को छोड़कर किसी भी वाहन को मेला क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। वहीं, जिले से बाहर की गाड़ियों को प्रयागराज की सीमा पर ही रोक दिया गया है जिससे श्रद्धालुओं को पैदल चलकर मेला क्षेत्र में आना पड़ रहा है।

मौनी अमावस्या स्नान से पूर्व श्रद्धालुओं के लिए परामर्श जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या के पवित्र अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं जिनकी सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मेला प्रशासन ने परामर्श जारी किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुंभ) राजेश द्विवेदी ने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने और सतर्क रहने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आपात स्थिति में मेला पुलिस, यातायात पुलिस और विशेष डॉक्टरों की टीम श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 24 घंटे तैनात की गई है। द्विवेदी ने बताया कि 29 जनवरी को पड़ रही मौनी अमावस्या को लेकर पुलिस और प्रशासन श्रद्धालुओं की मदद के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु संगम घाट पहुंचने के लिए अलग-अलग लेन से ही जाएं और गंगा स्नान के लिए जाते समय अपनी लेन में बने रहें। अधिकारी ने कहा कि श्रद्धालु स्नान और दर्शन करने के बाद सीधे पार्किंग की ओर जाएं और यदि वे मंदिरों में दर्शन के लिए जा रहे हैं तो अपनी लेन में बने रहें और वहां से अपने गंतव्य स्थान के लिए प्रस्थान करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर श्रद्धालु नजदीकी सेक्टर में बने अस्पताल में जांच कराएं। द्विवेदी ने कहा कि स्नान के लिए जाते समय बैरिकेडिंग और पांटून पुलों पर धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी व धक्का मुक्की करने से बचें। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं से आग्रह है कि सभी घाट संगम घाट हैं और वे जिस घाट पर पहुंच जाएं वहीं स्नान करें। श्रद्धालु कहीं एक साथ एक स्थान पर ना रुकें और किसी भी स्थिति में आने और जाने वाले श्रद्धालु आमने-सामने ना आएं। साथ ही मेले में अफवाहों से बचें और सोशल मीडिया पर फैलाए गए किसी भी भ्रम को सच ना मानें।

मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ लोग कर सकते हैं संगम में स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। महाकुंभ 2025 में पिछले 17 दिनों में 15 करोड़ से अधिक लोग गंगा और संगम में स्नान कर चुके हैं तथा बुधवार को मौनी अमावस्या पर और 10 करोड़ लोगों के गंगा स्नान करने की संभावना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कहा कि प्रशासन ने मौनी अमावस्या के लिए पूरी तैयारी कर ली है। मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र के चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के उपाय किए गए हैं और एआई से युक्त सीसीटीवी कैमरे तथा ड्रोन से लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

मेला क्षेत्र को अगले कुछ दिनों के लिए पहले ही नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है, प्रयागराज जिला प्रशासन ने भी स्थानीय लोगों से चार पहिया वाहनों के उपयोग से बचने तथा वरिष्ठ नागरिकों को संगम पर ले जाने के लिए केवल दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करने की अपील की है। प्रदेश सरकार के मुताबिक, मकर संक्रांति (14 जनवरी) को 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं, संतों और कल्पवासियों ने अमृत स्नान में हिस्सा लिया। वहीं आगामी मौनी अमावस्या के लिए आठ से 10 करोड़ लोगों के स्नान करने की संभावना है। मंगलवार को सुबह आठ बजे तक 45 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया। राज्य सरकार ने कहा कि उसने मौनी अमावस्या के अवसर पर बुधवार को सुबह पौने सात बजे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करने की योजना बनाई है।

अमृत स्नान (पूर्व में शाही स्नान), महाकुंभ मेले का सबसे पवित्र और सबसे बड़ा स्नान पर्व होता है जिसमें दुनियाभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के लिए आते हैं। अमृत स्नान का मुख्य आकर्षण विभिन्न अखाड़ों के साधुओं का स्नान होता है। अमृत स्नान की तिथियां सूर्य, चंद्र और बृहस्पति के ज्योतिषीय मेल पर आधारित होती हैं और माना जाता है कि इनके योग से पवित्र नदियों की अध्यात्मिक शक्ति बढ़ जाती है। यह भी माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों का जल अमृत में परिवर्तित हो जाता है। मौनी अमावस्या का स्नान पारंपरिक रूप से मौन रहकर किया जाता है। इस बीच, प्रयागराज जिला प्रशासन ने पूरे कुंभ क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बलों की तैनाती की है। जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार मांदड़ ने कहा, दुनियाभर से आ रहे श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रयागराज के लोगों से दोपहिया वाहनों का उपयोग करने या हो सके तो पैदल चलने का अनुरोध है। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूल 28, 29 और 30 जनवरी को बंद रहेंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी मौनी अमावस्या के अवसर पर अवकाश घोषित कर दिया है। हर 12 साल में होने वाला महाकुंभ मेला 13 जनवरी को प्रारंभ हुआ और यह 26 फरवरी तक चलेगा। इस मेले में 40 से 50 करोड़ लोगों के आने की संभावना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 29-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

कैंसर जागरूकता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै में गणतंत्र दिवस के मौके पर तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों द्वारा कैंसर जागरूकता अभियान के तहत शहर के छोटे छोटे फूड स्टॉल, रेस्टारेंट आदि में जाकर लोगों को जागरूक किया गया। सदस्यों ने न्यूज पेपर्स, फाइप पेपर आदि इस्तेमाल न करने और उससे होने वाली हानियों के बारे में लोगों को बताया। यह जानकारी मंत्री सुनीता कोठारी ने दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में कोलातुर स्थित एवरविन मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने प्रथम पुरस्कार जीता। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने छात्रों को शील्ड प्रदान किया। इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री उदय निधि स्टालिन, मुख्य सचिव मुरुगानंदम, स्कूल के प्रिंसिपल बी पुरुषोत्तमन सहित शिक्षक छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

एमजीएम हेल्थ केयर के डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर रोगी को दिया नया जीवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के प्रमुख मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल, एमजीएम हेल्थकेयर के डॉक्टरों ने उड़ीसा की 35 वर्षीय महिला की दुर्लभ इंडोस्कोपिक सर्जरी कर उसे नया जीवन देने में सफलता प्राप्त की है। डॉक्टरों ने रोगी की अति सक्रिय थायराइड ग्रंथि को हटाकर आंखों के संरक्षण को ठीक किया तथा रोगी महिला के थायराइड संबंधी आर्बिटोथेपी का निदान किया। इसे ग्रेव्स रोग के रूप में भी जाना जाता है यह एक ऑटोइम्यून स्थिती है जिसमें मांसपेशियों तथा पलको के आसपास के ऊतकों में सूजन होती है रोगी को आंख ठीक से बंद करने में परेशानी हो रही थी इसके अलावा उसे निगलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था इन जटिलताओं की वजह से उसकी दैनिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ रहा था । रोगी महिला जब अस्पताल में इलाज के लिए आई तो अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम ने उसकी गहन जांच की थायराइड स्टॉर्म के जोखिम को देखते हुए डॉक्टरों ने थायराइड डेक्टोमी करने का निर्णय लिया।

डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान एक एंडोस्कोपिक ट्रांस नेज़ल द्विपक्षीय ऑर्बिटल डिकम्प्रेसन भी किया - एक ऐसी प्रक्रिया जिसे ऑर्बिटल कैविटी (आंखों के आसपास की हड्डियों) में अधिक जगह बनाने के लिए डिज़ाइन किया जाता है जिससे आंखें अधिक सामान्य स्थिति में लौट सकती हैं। डाक्टरों की एक टीम ने तीन घंटे से भी कम समय में सर्जरी कर रोगी को नया जीवन दिया। सर्जरी के बाद रोगी महिला की सेहत में सुधार के उपरांत उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई वह अब सामान्य रूप से निगल सकती है अपनी आँखें ठीक से बंद कर सकती है ।

अस्पताल के वरिष्ठ कंसलटेंट तथा ईएनटी प्रमुख डॉक्टर संजीव मेहता ने सर्जिकल प्रक्रियाओं का नेतृत्व करते हुए कहा कि इस तरह की नैदानिक बीमारी के लिए एक चरणबद्ध सर्जिकल प्रक्रिया की आवश्यकता थी सर्जरी के लिए ऑपरेशन से पहले असाधारण सटीकता और सावधानीपूर्वक योजना के साथ त्रुटि की गुंजाइश बहुत कम होनी चाहिए क्योंकि इससे ऑपरेशन के बाद दृष्टि संबंधी गड़बड़ी जैसी संभावित जटिलताएं हो सकती थीं।

चार दिवसीय 'स्टोना' प्रदर्शनी का आयोजन 12 फरवरी से, तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जिबिशन सेन्टर पर लगेगी स्टोना प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्राकृतिक पत्थरों के उद्योग व व्यवसाय के लिए कटिबद्ध फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (फिग्सी) के तत्वावधान में प्रति द्विवर्ष में स्टोना प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। इस बार फेडरेशन का यह 16वां इन्टरनेशनल ग्रेनाइट व स्टोन फेयर 'स्टोना' का आयोजन तुमकुर रोड स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जिबिशन सेन्टर में होने जा रहा है। यह चार दिवसीय आयोजन 12 फरवरी से शुरु होगा जो कि 15 फरवरी तक चलेगा।

'वन नेशन-वन मिनरल-वन पॉलिसी' का सूत्र आज की आवश्यकता है : एस कृष्णाप्रसाद

फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (फिग्सी) के अध्यक्ष एस कृष्णाप्रसाद ने बताया कि 41 वर्ष से फेडरेशन कार्य करता आ रहा है। आज पूरे देश में फेडरेशन के 1490 से अधिक सदस्य है। फेडरेशन उद्योग, उद्योगपतियों व केन्द्र व विभिन्न राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य सेतू का कार्य करता आ रहा है। कृष्णाप्रसाद ने बताया कि कुछ वर्षों से प्रदेश में प्राकृतिक पत्थर उद्योग में तेजी आई है।

उन्होंने बताया कि फिग्सी समय-समय पर विभिन्न सरकारों के साथ पत्थर उद्योग के हित में सामंजस्य बनाने के उद्देश्य से आवश्यक बैठकें करती रहती है।

भारत सरकार से भी 'फिग्सी' लम्बे समय से ग्रेनाइट विकास कौंसिल में फिग्सी की भागीदारी व प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की मांग कर रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि भारत भूगोलिक दृष्टि से बहुत फैला हुआ है और विभिन्न खनिज अलग अलग राज्य में मिलते हैं जिसके चलते कर, रॉयल्टी आदि में विषमता होती है इसलिए फिग्सी का सरकार से निवेदन है कि 'वन नेशन-वन मिनरल-वन पॉलिसी' का सूत्र अपना चाहिए ताकि पत्थर उद्योग को बढ़ावा मिले तथा भारतीय व्यापारियों, खदानमालिकों व उद्योगपतियों को व्यापार में सहूलियत व एक समानता हो। फिग्सी चाहती है कि सरकार हर राज्य में खनिज विशेषकर पत्थर पर एक समान रॉयल्टी लागू करे और खदानों को लम्बे समय के लिए लीज पर दिया जाए ताकि खदानमालिकों को व्यापार में आसानी हो।

स्टोना में 1000 करोड़ के व्यापार की है संभावना : मनोजकुमार सिंह

फिग्सी के महामंत्री मनोजकुमार सिंह ने बताया कि फिग्सी का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक पत्थर उद्योग को बढ़ावा व सशक्तिकरण करना है। प्राकृतिक पत्थर में ग्रेनाइट, मार्बल, सेंड स्टोन, स्लेट, क्वार्टजाइट आदि शामिल है। फिग्सी व्यावसायिक घरानों, कारीगरों, डिजाइनरों के लिए नए अवसर प्रदान करने के लिए एक प्रभावी प्लेटफार्म का कार्य करती है। इस प्रदर्शनी में उपभोक्ता और सभी हितधारकों को एक साथ जुड़ने, सहयोग करने और बढ़ने के लिए एक सक्रिय मंच मिलता है। उन्होंने स्टोना प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 1987 में स्टोना प्रदर्शनी का पहला आयोजन हुआ था। इस वर्ष इस 16वें स्टोना आयोजन में गत आयोजन से भी ज्यादा जगह यानी एक्जिबिशन सेन्टर के 5 हाल सहित आउटडोर में भी स्टोना प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष स्टोना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टर्की, चीन, इटली व इरान के 4 पैवेलियन बनाए गए है। इस पत्थर प्रदर्शनी में भारत के अलावा विश्व के अन्य 18 देश भाग ले रहे है। सिंह ने बताया कि 46 हजार वर्गमीटर में आयोजित इस स्टोना प्रदर्शनी में 453 छोटे बड़े स्टॉल लगाए जा रहे हैं। पत्थर की शिल्पकला व मूर्तिकला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिल्पग्राम का आयोजन अलग से किया जा रहा है जिसमें कर्नाटक से 3, राजस्थान से 14, मध्यप्रदेश से 1, ओडिसा से 2, उत्तराखंड से 1 व अन्य 4 शिल्पी अपनी कला की नुमाइश करेंगे। सिंह ने बताया कि इस वर्ष स्टोना प्रदर्शनी में इस बार 1000 करोड़ के व्यापार का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रदर्शनी में जियोलॉजी सेमिनार सहित अनेक बिजनेस टॉक व उद्योग संबंधित अनेक ज्ञानवर्धक सेमिनारों का भी आयोजन किया जा रहा है। मनोज ने बताया कि इस बार विश्व प्रसिद्ध अयोध्या मंदिर में विराजित रामलला की पाषाण प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज को प्रदर्शनी में विशेष रुप से सम्मानित किया जाएगा।

स्टोना में कर्नाटक के 60 व राजस्थान के 200 स्टॉल होंगे : मदनलाल जांगीड़

स्टोना 2025 के चेयरमैन मदनलाल जांगीड़ ने बताया कि स्टोना भारत के पत्थर के कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक है और इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, हमने देश विदेश से पत्थर उद्योग से जुड़े लोगों, व्यापारियों व उद्योगपतियों को आमंत्रित किया है। स्टोना प्रदर्शनी अपने आप में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रदर्शनी होती है। इस प्रदर्शनी में ज्यादातर प्रतिभागी पूरे भारत वर्ष से होते है, उनके अलावा विभिन्न सरकारी व राज्य सरकार भी प्रदर्शनी में अपने अपने स्टॉल लगाती है। इस वर्ष 324 भारतीय स्टॉल व 64 ओवरसीज स्टॉल लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कर्नाटक से करीब 60 व राजस्थान से लगभग 200 स्टॉल लगाए जा रहे है इस स्टोना प्रदर्शनी में ग्रेनाइट, मार्बल व अन्य प्राकृतिक पत्थरों की प्रदर्शनी के अलावा माइनिंग व पत्थर कटिंग मशीनों के भी स्टॉल भी होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में स्टोन उद्योग के लिए लाइफ टाइम अवार्ड, ग्रेनाइट व मार्बल खदान, एक्पोर्ट, मशीनरी व टूल सहित जियोलॉजी विद्यार्थी श्रेणी में चयनीतों को अवार्ड प्रदान कर सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टोना के उद्घाटन के अवसर पर 12 फरवरी को कर्नाटक के खदान मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन, केन्द्रीय वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्नोई, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी आदि उपस्थित होंगे जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 15 फरवरी को आयोजित समापन समारोह में शामिल होंगे।

इस मौके पर पीआर, इलेक्ट्रानिक व प्रिंट मीडिया सबकमेटी के चेयरमैन के. केशवमूर्ति ने बताया कि इस बार स्टोना प्रदर्शनी का सोशल मीडिया पर भी प्रचार किया जा रहा है तथा प्रदर्शनी के प्रचार प्रसार के लिए जोधपुर, उदयपुर, ओंगुल, विजयवाड़ा, किशनगढ़, जालोर आदि शहरों में रोड शो भी आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एक्जिबिटर डायरेक्टरी का भी निर्माण किया गया है।

कैंसर जांच शिविर में 250 महिलाएं हुई लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा जीटी मॉल के पास कैंसर जांच व जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने कैंसर जागरुकता अभियान के प्रारूप की जानकारी दी।

इस शिविर में एमएस रम्मैया हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉक्टर लक्ष्मी नारायण एवं उनकी टीम द्वारा लगभग 250 महिलाओं की कैंसर संबंधित विभिन्न जांच की गई। मंडल द्वारा रोगियों को मुफ्त दवा भी वितरित की गई। इस मौके पर रविंद्र फाउंडेशन के अध्यक्ष एच रविंद्र, टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, टीपीएफ साउथ जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर,तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, मंत्री संजय भटेवरा, अणुव्रत समिति दक्षिणांचल के सहमंत्री राजेश चावत, टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बैंगाणी आदि उपस्थित थे।संयोजिका मेघना हिरण ने व्यवस्था संभाली। मंत्री दीपिका गोखरु ने धन्यवाद दिया।

नारायणी दादी परिवार संस्था का हुआ पंजीकरण

बेंगलूरु। नवगठित श्री नारायणी दादी परिवार संस्था का प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में 27 जनवरी को सोसाइटी एक्ट के तहत पंजीकरण करा लिया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा दादी भक्तों को जोड़ने, वर्ष में कम खर्च पर चार से पांच कार्यक्रम करना है। इस मौके पर संस्था को लम्बे समय तक नियमित रुप से संचालित करने के लिए अनेक नियमों पर चर्चा हुई तथा हर कार्य की सीमा तय की गई। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों की रुपरेखा, संस्था के सदस्य संख्या, आर्थिक सहयोग आदि विषयों पर गहन विचार विमर्श कर कुछ नियम तय किए गए।

अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी ने आयोजित की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा, राष्ट्रीय दक्षिण संगठन मंत्री राजेश चावत, दक्षिण पर्यावरण प्रभारी संपत चावत ने गांधीनगर तेरापंथ भवन पहुंचे। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराना ने निर्धारित कार्यों के अलावा, नए आयामों और सद्भावना नैतिकता एवं नशा मुक्ति विषयों पर ज्यादा से ज्यादा जागरुकता बढ़ाने हेतु अपने विचार रखें। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने संगठन को मजबूत करने हेतु ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को समिति से जोड़ने का आह्वान किया। जीवन विज्ञान कर्नाटक प्रभारी ललित अच्छा ने कर्नाटक स्तरीय जीवन विज्ञान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए निवेदन किया। पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, शांति सकलेचा, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, बबीता चोपड़ा, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा ने विचार व्यक्त करते हुए अणुविभा टीम सदस्यों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया। उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती ने धन्यवाद दिया।

गणतंत्र दिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर के आरएसपुरम् स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा संचालित मंदिर में गणतंत्र दिवस समारोह साध्वी प्रिय सौम्यांजनाश्रीजी एवं साध्वी श्री प्रियज्ञानांजनाश्रीजी एवं साधवीश्री दक्षांजनाश्रीजी के सान्निध्य में मनाया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया या। सदस्य गौतमचन्द नाहटा, राकेश गोलेच्छा, पूर्व युवक परिषद अध्यक्ष प्रकाश बोथरा और रवि गोलेछा, पंकज जैन, सनत पारेख आदि उपस्थित थे।

जीतो बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 6 हर्षोल्लास से सम्पन्न

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 6 में 18 टीमों के 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 6 महिला टीमें भी शामिल थीं। सैफरन स्ट्राइक्स टीम पुरुष वर्ग में विजेता व रोलेक्स रॉयल्स टीम उपविजेता रही। वहीं श्री राज वारियर्स टीम महिलावर्ग में विजेता व पीजीई क्रीस टीम उपविजेता रही। टाइटल प्रायोजक विभव और सहप्रायोजक ऑनेस्टी यूनिफॉर्म द्वारा समर्थित टूर्नामेंट का नेतृत्व संयोजक योगेश नाहटा ने किया। साथ ही प्रमुख सदस्य अनिलकुमार जैन, प्रवीण चौधरी, भारत पटवारी, राजन जैन, अक्षय बागरेचा, नीरव मोमाया, गीता छेड़ा और कविता बाफना ने भी भाग लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.